



Priyanka Chopra Drops a Happy...

SHARE	
सेंसेक्स	: 72,664.47
निफ्टी	: 22,055.20

SARAF	
सोना	: 6,885
चाँदी	: 90.05

(नोट : सोना 22 केरट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

खड़गे झारखंड में दो जनसभाओं को आज करेंगे संबोधित

RANCHI : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार सुबह 9:30 बजे झारखंड पहुंचेंगे। वे यहाँ दो चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पहली जनसभा हजारीबाग के बरही में 10 बजे कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल के पक्ष में होगी जबकि दूसरी जनसभा चतरा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी के पक्ष में लाहौर के कुंदरी मैदान में 12 बजे होगी। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे।

नवसारी : दांडी के समुद्र में 7 लोग बहे, 3 को बचाया गया, 4 लापता

NAVSARI : नवसारी के दांडी में रविवार को समुद्र में नहाने के दौरान 7 लोग डूबने लगे। पुलिस और होमगार्ड जवानों ने 3 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, वहीं 4 लोग लापता हैं, जिनकी खोजबीन की जा रही है। समुद्र में बहे लोग खडसुपा के निवासी बताए गए हैं, जो तीन परिवार के सदस्य हैं। रविवार की छुट्टी मनाने नवसारी समेत अन्य जिलों के बड़ी संख्या में लोग दांडी में समुद्र किनारे पहुंचे। लोग समुद्र में नहाने का लुत्फ उठा रहे थे। इसी बीच समुद्र की तेज लहरों में तीन अलग-अलग परिवार के 7 लोग बहने लगे। समुद्र किनारे मौजूद लोगों ने उन्हें डूबता देखा तो शोर मचाने लगे।

आदिवासी महिला ने छेड़खानी पर शोर मचाया तो पकड़कर खींच ली जुवान

JAMTARA : करमाटांड के बारादाहा गांव में रविवार को दो युवकों ने पास के तालाब में नहा रही आदिवासी महिला को अकेला पाकर छेड़खानी शुरू कर दी। इस दौरान महिला ने जब शोर मचाने की कोशिश की तो दोनों युवकों ने उसे जमीन पर पटक दिया और उसके मुंह में हाथ डालकर उसकी जुवान पकड़कर जोर से खींच दी। जिससे वह अब कुछ भी बोल पाने में असमर्थ है। दोनों ही युवक पास के गांव के हैं और मुस्लिम समुदाय से आलसुकर रहते हैं। घटना के बाद से आदिवासी समुदाय में भारी आक्रोश है। किसी तरह से जान बचाकर अपने घर पहुंची पीड़िता ने अपने सास-ससुर को मामले की जानकारी लिखकर और इशारों में दी।

हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सोमवार (13 मई) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें झारखंड के पूर्व सीएम ने कथित भूमि घोटाला से जुड़े मनी लाउंडरिंग केस में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की उस याचिका को 3 मई को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। इस आदेश के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। हेमंत सोरेन ने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत भी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ

10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर वोटिंग आज लोकसभा चुनाव का चौथा चरण : 1717 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला ईवीएम में हो जाएगा बंद



AGENCY NEW DELHI :

लोकसभा चुनाव-2024 के चौथे चरण में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश समेत 10 राज्यों की 96 सीटों पर सोमवार यानी 13 मई को मतदान होगा। इस दिन मतदाता 5 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री, दो क्रिकेटर और एक अभिनेता समेत 1717 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे, जिसका परिणाम 4 जून को आएगा।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में आंध्र प्रदेश की 25 सीटों, बिहार की 40 में से पांच सीटों, झारखंड की 14 में से चार सीटों, मध्य प्रदेश की 29 में से आठ सीटों, महाराष्ट्र की 48 में से 11 सीटों के लिए मतदान होगा। इसके अलावा ओडिशा की 21 में से चार सीटों, तेलंगाना की 17 की 17 सीटों, उत्तर प्रदेश की 80 में से 13 सीटों, पश्चिम

बंगाल की 42 में से आठ सीटों, जम्मू-कश्मीर की पांच में से एक सीट के लिए वोट डाले जाएंगे। 2019 में इन सीटों पर भाजपा को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस ने 6 और वाईएसआर कांग्रेस ने 22, बीआरएस ने 9 सीटें जीती थीं वहीं अन्य को 17 सीटें मिली थीं। इस चरण में देश के दो सबसे अमीर प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के चौथे चरण में कुल 1,717 कैडिडेट्स चुनावी मैदान में हैं, जिनमें एडीआर ने 1710 उम्मीदवारों के हलफनामे का विधायक किया है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के मुताबिक, इस चरण के चुनाव में 1,710 उम्मीदवारों में से 21% यानी 360 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं वहीं 476

झारखंड में सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में होगा मतदान

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में से चार सीटों यानी चाईबासा (सिंहभूम), खूंटी, लोहरदगा और पलामू के लिए 13 मई को ही मतदान हो रहा है। इन चार सीटों में से एक मात्र पलामू सीट एससी के लिए रिजर्व है, जबकि शेष तीन सीटें एसटी के लिए रिजर्व हैं। वर्तमान में इन चारों सीटों में से सिंहभूम को छोड़कर बाकी सभी तीन सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।

चाईबासा (सिंहभूम) लोकसभा सीट : बीजेपी ने इस चुनाव 2019 में कांग्रेस के टिकट पर सिंहभूम सीट से जीतने वाली गीता कोड़ा को मैदान में उतारा है। वहीं झामुमो ने जोबा मांझी को मैदान में उतारा है। सिंहभूम की सभी पांच विधानसभा (सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगनाथपुर, मनोहरपुर और चक्रधरपुर) क्षेत्रों में झामुमो के विधायक हैं, लेकिन इन

यानी 28% उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है और 24 ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है।

इलाकों में सड़क, पेयजल, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित हैं। बीजेपी की दलील है कि पीएम मोदी ने डीएमएफटी की शुरुआत की थी, लेकिन झामुमो के विधायकों ने डीएमएफटी में घोटाला किया। अपने चहेतों को करोड़ों का काम दिया। जबकि ज्यादातर काम अधूरे पड़े हैं।

खूंटी लोकसभा सीट : खूंटी में सीधा मुकाबला बीजेपी के अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के कालीचरण मुंडा के बीच है। वैसे यहाँ कुल सात प्रत्याशी किस्मत आजमाने चुनावी मैदान में उतरे हैं। कांग्रेस चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय मुद्दों पर ही फोकस कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि खूंटी से लगातार पलायन हो रहा है। यहाँ रोजगार नहीं मिल रहा। वहीं बीजेपी प्रत्याशी और केंद्र में मंत्री अर्जुन मुंडा की ओर से मोदी की गारंटी की बात की जा

रही है। कोरोना काल में हुए काम, राम मंदिर का निर्माण, युवाओं को कुशल बनाकर रोजगार के अवसर मुहैया कराना, एकलव्य विद्यालयों की स्थापना का जिक्र हो रहा है। साथ ही पीएम मोदी के कार्यकाल में देश स्तर पर हुए कार्यों का बखान किया जा रहा है।

लोहरदगा लोकसभा सीट : लोहरदगा सीट पर वर्तमान में बीजेपी का कब्जा है। इस बार झामुमो के बागी विधायक चमरा लिंडा ने चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया है। वैसे सीधे तौर पर देखें तो मुकाबला कांग्रेस के सुखदेव भगत और बीजेपी के समीर उरांव के बीच है। यहाँ 59 प्रतिशत आदिवासी हैं, इनमें सबसे ज्यादा उरांव समाज के लोग हैं। दोनों प्रत्याशी उरांव समाज से आते हैं। राह बात मुद्दों की तो कांग्रेस बीजेपी पर पलायन, सरना धर्म कोड,

बदहाल शिक्षा व्यवस्था और धर्म के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगा रही है। लोकतंत्र और संविधान के खतरे में होने की बात की जा रही है। कांग्रेस कह रही है कि बॉक्साइट को आधारित बड़े उद्योग की जगह मध्यम और लघु उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

पलामू लोकसभा सीट : पलामू लोकसभा क्षेत्र में कुल छह विधानसभा सीटें हैं। इनमें से चार विधानसभा सीटों पर बीजेपी, एक पर झामुमो और एक पर एनसीपी का कब्जा है। इंडिया गठबंधन के तहत यह सीट आरजेडी के खाते में गई है। पार्टी ने ममता भुइया को उम्मीदवार बनाया है। आरजेडी ने पलायन और सुखाड़ की मुद्दा बनाया है, इसके लिए उसने केंद्र की बीजेपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस सीट पर अंतिम बार उपचुनाव में आरजेडी प्रत्याशी

चूरन राम की जीत हुई थी। इस बार चूरन राम बीजेपी में हैं। ममता भुइया पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। भुइया अनुसूचित जाति बहुल इस इलाके में ममता भुइया अपने वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश में जुटी हैं।

वहीं, बीजेपी प्रत्याशी और पिछले दो बार से सांसद रहे राज्य के पूर्व डीजीपी वीडी राम भरोसा दिला रहा है कि इस बार पलायन की समस्या को खत्म करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही पलामू में कारखाने स्थापित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके। उनकी दलील है कि उनकी बढौलत सोन पाइप लाइन परियोजना स्वीकृत हो गयी है, इससे करीब 13 प्रखंडों में पानी की समस्या खत्म हो जाएगी। वह मोदी की गारंटी का भी हवाला देकर वोट मांग रहे हैं।

मिशन 2024 : पश्चिम बंगाल के हुगली में पीएम ने जनसभा को किया संबोधित

कांग्रेस को मिलेगी 'शहजादे' की उम्र से भी कम सीटें : मोदी

AGENCY KOLKATA :

रविवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली में चुनावी जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि शहजादे की जितनी उम्र है उससे भी कम सीटें कांग्रेस को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यहाँ इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी आई हैं। मैं आप सभी का आभारी हूँ। मौजूदा चुनाव देश का नेतृत्व चुनने का चुनाव है और देश की जनता का आशीर्वाद सिर्फ भाजपा के साथ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश ने 10 साल में देखा है कि मोदी की मजबूत सरकार ही देशहित में है, जनहित में है। तीन चरण के चुनाव पूरे हो चुके हैं। चौथे चरण का मतदान कल होने वाला है। तीन चरण के चुनाव के बाद में विश्वास से कह सकता हूँ कि भाजपा और एनडीए 400 पार कर के ही रहेंगे। अब 400 पार ये नारा नहीं है, ये 400 पार देश के कोटि-कोटि लोगों का संकल्प बन चुका है।



जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। • फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि भाजपा-नीत एनडीए को तो आप 400 पार करा ही देंगे लेकिन ये कांग्रेस के जो शहजादे हैं ना उनकी जितनी उम्र है कांग्रेस को उससे भी कम सीटें मिलने वाली हैं। इससे साफ है कि आपने दमदार सरकार बनाई और भारत का दम पूरी दुनिया में दिख रहा है। सामन्य तौर पर हमारे परिवार में जो बड़ा होता है उसकी इच्छा होती है कि वो मरने के बाद बच्चों को कोई तकलीफ ना हो, बच्चे खुशी ना हो, बच्चे मुसीबत ना पड़ें इसलिए

परिवार का मुखिया परिवार के बच्चों के लिए कुछ छोड़कर जाना चाहता है। अपने वारिस को कुछ देकर जाना चाहता है, लेकिन मोदी का वारिस कौन है, मेरे वारिस तो आप सब देशवासी हैं। आप ही मेरा परिवार हैं, आप ही मेरे वारिस हैं। आपके अलावा इस दुनिया में मेरा कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं भी मेरे इस परिवार के बच्चों के लिए विकसित भारत बना करके उनके हाथ में देना चाहता हूँ।

ममता बनर्जी और तृणमूल

बिहारी बुड़बक नहीं, सब कुछ जानते हैं बिहार के लोग : लालू

पीएम मोदी के पटना रोड शो से पहले आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने निशा जयना साधा। लालू ने एक्स पोस्ट पर लिखा, बोला था ना 2014 में वीनी मिल खुलावा इसी मिल की बनी वीनी की चाय पीऊंगा। 10 बरस हो गए, क्या हुआ तेरा वादा जो प्रधानमंत्री अपने वादनुसार प्रदेश में एक छोटी सी वीनी मिल नहीं खुलावा सकता हो। लालू ने आगे लिखा, जो प्रधानमंत्री विशेष राज्य के दर्जे से लेकर 10 वर्षों में अपने बड़े-बड़े आसमानी वादों में से एक स्ती भर भी वादा पूरा ना कर सका हो। जो प्रधानमंत्री भरे मंच से अपने ही सहयोगी दल के मुख्यमंत्री द्वारा हाथ जोड़ गिड़गिड़ाने पर भी 100 बरस पुरानी एवं ऐतिहासिक पटना यूनिवर्सिटी को केन्द्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा तक ना दे सके। ऐसे प्रधानमंत्री रोड क्या चले गली-गली घूम नुक्कड़ नाटक करे, इससे बिहार को क्या फायदा होगा। बिहारी बुड़बक नहीं है। बिहार के लोग अच्छे से जानते हैं कि बिहार से 40 में से 39 एमपी लेकर बिहार की जगह सब कुछ गुजरात में ही किया और सब निवेश गुजरात ही ले गए जबकि लंबे समय से बिहार में एनडीए सरकार है। फिर 5 साल बाद चुनाव में बिहार घूमते आते हैं। 3 चरण में बिहार में सड़क पर ला ही दिया बाकी बचे 4 चरणों में गली-गली में चक्कर लगावा देगा। ई बिहार है बिहार!



लालू प्रसाद यादव।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तरफ तृणमूल और अन्य पार्टियों को देखिए वो सारे के सारे लोग देश की जनता को लूटने में ही

लगे हुए हैं। ये अपने वारिसों के लिए बंगले बना रहे हैं, महल बना रहे हैं। अगर वो अपने वारिस के लिए बना रहे हैं तो मैं भी तो अपने वारिस के लिए बना रहा हूँ।

चारधाम यात्रा : 10 मई को ही केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री के खुले थे कपाट

खुल गए बट्रीनाथ के कपाट, पहुंचे हजारों श्रद्धालु

AGENCY DEHRADUN :

रविवार से चारधाम की यात्रा शुरू हो चुकी है। केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट 10 मई को खोल दिए गए। बदरीनाथ के कपाट 12 मई को खोले गए। भारी संख्या में श्रद्धालु चार धाम की यात्रा पर जा रहे हैं।

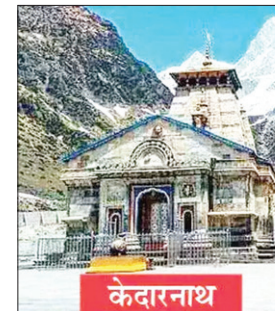
यमुनोत्री यात्रा स्थापित करने का आग्रह : इस बीच उत्तरकाशी पुलिस ने रविवार को श्रद्धालुओं से अपील की है। दरअसल उत्तरकाशी पुलिस ने चारधाम तीर्थयात्रियों से 12 मई को निर्धारित अपनी यमुनोत्री यात्रा को स्थगित करने पर विचार करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि क्षमता के अनुसार पर्याप्त संख्या में श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंचे थे। उत्तरकाशी पुलिस ने अपने बयान



बद्रीनाथ



गंगोत्री



केदारनाथ



यमुनोत्री

में कहा कि आज क्षमता के अनुसार पर्याप्त संख्या में श्रद्धालु श्री यमुनोत्री धाम पहुंचे हैं।

यमुनोत्री के पास श्रद्धालुओं की भारी भीड़

पुलिस ने कहा कि अब अधिक श्रद्धालुओं को भेजना जोखिम भरा है। जो भी श्रद्धालु आज यमुनोत्री जा रहे हैं। उनसे अनुरोध है कि वे

आज अपनी यमुनोत्री यात्रा स्थगित कर दें। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट शेयर कर उत्तरकाशी पुलिस ने यह जानकारी दी। दरअसल गढ़वाल हिमालय में स्थित यमुनोत्री मंदिर के कपाल खुलने के बाद शनिवार को संकीर्ण पहाड़ी रास्ते पर मंदिर तक जाने वाले पहाड़ी रास्ते पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। बता दें

हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्त्व
बता दें कि चार धाम यात्रा हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्त्व रखती है। यह आम तौर पर अप्रैल-मई से अक्टूबर-नवंबर तक होती है। बता दें कि अगर आप चार धाम की यात्रा पर जा रहे हैं तो आपको रजिस्ट्रेशन करा लेना चाहिए। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से की जा सकती है। दरअसल रजिस्ट्रेशन न करने की वजह से लोगों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कि यमुनोत्री मंदिर के दरवाजे भक्तों के लिए खोले जाने के एक दिन बाद कई लोगों को घंटों तक

लंबी कतारों में खड़े हुए देखा गया। इसका वीडियो भी अब सामने आया है।

BRIEF NEWS

उंगली पर लगी स्याही दिखाएं, निगम क्षेत्र में मिलेंगी कई सुविधाएं

RANCHI : लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए रांची नगर निगम मतदान के दिन 25 मई को नागरिकों के लिए विशेष पहल कर रहा है। इसमें रांची नगर निगम क्षेत्र में कई बंदोबस्त किए गए हैं, जिनमें मतदान के बाद फ्री पार्किंग, निगम पार्क में फ्री एट्री और सिटी बस पर निःशुल्क यात्रा जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसका फायदा उठाने के लिए नागरिकों को मतदान के बाद उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखानी होगी। इसके साथ रांची नगर निगम ने सभी नागरिकों से मतदान करने के अपील की है।

जेलकर्म अवधेश कुमार से ईडी आज करेगी पूछताछ

RANCHI : बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में पदस्थापित पुलिसकर्मियों अवधेश कुमार से ईडी सोमवार को पूछताछ करेगी। ईडी ने अवधेश कुमार को सात मई को नॉटिस भेजकर 13 मई को ईडी के जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा था। इससे पहले भी ईडी ने अवधेश कुमार को नॉटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। छह जनवरी को ईडी ने साहिबगंज में 1250 करोड़ रुपये के अवैध खनन और एसी केस में ईडी के गवाहों को प्रभावित करने से जुड़े मामले में चार लोगों को समन किया था। मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक प्रसाद पिंटू को ईडी ने 16 जनवरी को पूछताछ के लिए तलब किया था। वहीं, साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव को 11 जनवरी को ईडी ने बुलाया था। मुख्यमंत्री के करीबी मित्र और पेशे से आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह को 15 जनवरी को और जेल के वार्डन अवधेश कुमार सिंह को 11 जनवरी की उपस्थित होने का समन दिया गया था।

हटिया डैम में डूबे दोनो भाइयों के मिले शव

RANCHI : नगड़ी थाना इलाके के हटिया डैम में शनिवार को नहाने के दौरान दो भाइयों की डूबने से मौत हो गई। एनडीआरएफ की टीम ने रविवार को दोनों शवों को बाहर निकाल लिया है। दोनों भाई प्रभात तारा स्कूल के विद्यार्थी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों लड़के आर्य शर्मा और आलोक डैम में बने खतरे के निशान को पार कर गये थे, जिसकी वजह से वे डूब गये। स्थानीय गोताखोरों ने शनिवार को काफी खोजबीन की लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया था। इसके बाद शनिवार की शाम करीब 4.45 बजे एनडीआरएफ की टीम वहां पहुंची और दोनों की खोजबीन शुरू की लेकिन अधेरा होने के कारण उनका पता नहीं चल पाया। इसके बाद रविवार की सुबह एनडीआरएफ की टीम ने फिर से तलाश शुरू की और दोनों के शव बरामद कर लिये। मृतकों के परिवार वालों का कहना है कि उनके बच्चे कब हटिया डैम पहुंच गए इसकी जानकारी नहीं है।

जन-जन तक पहुंचाएं कांग्रेस का गारंटी कार्ड : निसार खान

RANCHI : जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी निसार खान ने कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में पांच न्याय युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय के साथ पच्चीस गारंटी कार्ड को गठबंधन के कार्यकर्ताओं से जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नमामि गये, एक सौ स्मार्ट सीटी, सस्ता गैस सिलेंडर, दो करोड़ युवाओं को रोजगार, बेटी बचाओ, बुलेट ट्रेन, किसानों की आय दोगुना, पांच ट्रिलियन डॉलर, परिवार के लिए मकान, पैंतीस रूपए लीटर पेट्रोल का पदार्पण करने की अपील की। कहा कि इस समय देश का लोकतंत्र और डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखी गई संविधान खतरे में है, उसे बचाने के लिए हरिया पटबंधन के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

चम्पाई नाममात्र के मुख्यमंत्री कल्पना सुपर सीएम : सीता

दुमका की भाजपा प्रत्याशी ने हेमंत सोरेन की पत्नी पर साधा निशाना

PHOTON NEWS RANCHI : दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन ने फिर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को निशाने पर लिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री के लिए भी चिंता जाहिर की है। साथ ही झामुमो में उपेक्षा किए जाने का आरोप भी दोहराया।



सीता सोरेन (बायें) व कल्पना सोरेन (दायें)। • फोटोन न्यूज

सीता सोरेन ने कहा कि चम्पाई सोरेन को नाममात्र का मुख्यमंत्री बनाकर रखा गया है। उनकी बजाय कल्पना सोरेन को अधिक

महत्व है। कल्पना का झामुमो पार्टी में भी कोई पद या स्थान नहीं है। बावजूद इसके उनको मुख्यमंत्री से बड़ा प्रोजेक्ट दिया जा रहा है और वहीं सुपर सीएम के तौर पर फैसले ले रही हैं।

आज आंधी व वज्रपात के साथ होगी बारिश, चलेंगी तेज हवाएं

PHOTON NEWS RANCHI : मौसम केंद्र ने अलर्ट जारी कर कहा है कि 13 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह जिले में देखने को मिलेगा।

14 मई को वज्रपात की आशंका : 14 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। इसका असर साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह जिले में देखने को मिलेगा।

13 मई को इन इलाकों में हंगो बारिश : 13 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की उम्मीद है। इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, धनबाद जिले में देखने को मिलेगा।

‘पहले मतदान, फिर जलपान’ का नारा लगाकर वोटिंग का लोगों ने लिया संकल्प

‘इंडिया कल्ट फैशन वीक’ का आयोजन



कार्यक्रम में उपस्थित लोग। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत धरोहर बैंकवट हाल में इंडिया कल्ट फैशन वीक का आयोजन हुआ। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए हिस्सा लिया एवं देश के विभिन्न हिस्सों से आए दर्शकों ने भी इसकी शोभा बढ़ाई। सभी ने एक मत से चरित्र समाजसेवी शंकर दुबे का पहले मतदान फिर जलपान का नारा को दोहराकर समर्थन दिया। इसके साथ ही लोगों ने वोटिंग का संकल्प लिया।

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम देश का सबसे बड़ा घोटाला, एसआईटी जांच जरूरी : प्रशांत भूषण

रांची प्रेस क्लब में ‘इलेक्टोरल बॉन्ड्स और राजनीतिक दल’ विषय पर हुई परिचर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रांची के प्रेस क्लब सभागार में गैरसरकारी संस्था कॉमन कॉज, सतर्क नागरिक संगठन और लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत इलेक्टोरल बॉन्ड्स और राजनीतिक दल विषय पर परिचर्चा हुई। इसमें सर्वोच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण, कॉमन कॉज से जुड़ी समाजसेवी अंजली भारद्वाज और लोकतंत्र बचाओ अभियान से जुड़ी एलिना ने शिरकत की। इसके अलावा समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों की भी इसमें भागीदारी रही। सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स को काला धन सफेद करने की सबसे बड़ी योजना बताया।



सर्वोच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण। • फोटोन न्यूज

संवैधानिक अधिकार है और हमारी जिम्मेदारी भी है और देश में नागरिकों को वोट करने से देश का लोकतंत्र मजबूत होता है और हमें पांच वर्षों में इस महापर्व के तहत प्रत्यासी और सरकार चुनने का अवसर मिलता है। अपने एक वोट के जरिए हम वीकसित समृद्ध और शक्तिशाली देश का निर्माण करने में सहायक हो सकते हैं।

इस अवसर पर समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, डॉ सौरभ चौधरी, विक्की करमाली, शुभम कुमार गोप, कोशल पांडेय, अनमोल गुप्ता, पिपा बर्मन, आदि कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नाना पटोले के आदिवासी और ओबीसी विरोधी बयान पर माफी मांगें खड़गे : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रविवार को मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता की संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से झारखंड यात्रा के दौरान सार्वजनिक रूप से विभिन्न मुद्दों पर गलतबायनी करने के लिए माफी मांगने की मांग की है। प्रतुल ने कहा कि कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने राम मंदिर का शुद्धिकरण करने की बात को कहकर कांग्रेस के आदिवासी और ओबीसी विरोधी रवैया को दिखा जानकारी नहीं है।



मीडिया को जानकारी देते प्रतुल शाहदेव व अन्य। • फोटोन न्यूज

दिया है। एक आदिवासी बेटी राष्ट्रपति पद पर और एक पिछड़ा समाज से प्रधानमंत्री इनको पच नहीं रहा है। राम मंदिर के शुद्धिकरण की बात कर रहे हैं और वह भी तब जब हाल ही के दिनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहां की यात्रा की थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी प्राण-प्रतिष्ठा में यजमान के रूप में शरीक हुए थे। कांग्रेस ऊपर से

शुद्धिकरण के लिए जो बहाने बनाए पर आदिवासी और ओबीसी समाज को अपमानित करने का इनका पुराना रिकॉर्ड रहा है।

प्रतुल ने सरना धर्म कोड पर भी कांग्रेस को घेरते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे से जानना चाहा कि जब तत्कालीन सांसद सुदर्शन भगत ने 22 अगस्त, 2013 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और आदिवासी कल्याण मंत्री से पत्र लिखकर सरना धर्म कोड को लागू करने की मांग की थी। तत्कालीन आदिवासी कल्याण मंत्री वी किशोर चंद्रदेव ने 11 फरवरी, 2014 को जवाब देते हुए कहा था कि

वोटिंग के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना 36 कर्मियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

डिस्पैच सेंटर नहीं पहुंचनेवाले मतदान कर्मियों के खिलाफ डीसी ने लिया एक्शन



बैठक में उपस्थित डीसी व मतदानकर्मी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को खूंटी और लोहरदगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के लिए रांची जिला अंतर्गत तमाड़ और मांडर विधानसभा क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना कर दिया गया। मोरहावादी फुटबॉल स्टैडियम अवस्थित डिस्पैच सेंटर से निवाची पदाधिकारी 08-रांची संसदीय क्षेत्र राहुल कुमार सिन्हा की देखरेख में पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। इस दौरान कई मतदानकर्ता अनुपस्थित थे, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अनुपस्थित रहनेवाले 36

कांटाटोली-बूटी मोड़ सड़क पर डिवाइडर ने चलना किया मुश्किल

PHOTON NEWS RANCHI : पथ निर्माण विभाग द्वारा विकास से लेकर कांटाटोली तक सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां डिवाइडर का भी निर्माण हो रहा है। लेकिन आम लोगों की सहूलियत के लिए बनाये जा रहे ये डिवाइडर इस सड़क से गुजरनेवालों के लिए परेशानी का सबब बन गये हैं। एक तो पहले से ही संकरे इस सड़क पर बीच में डिवाइडर का निर्माण करने से सड़क और अधिक संकरे हो गयी है। वहीं इस संकरे सड़क पर भी एक लेन पर हरदम वाहन पार्क रहते हैं। नतीजा जैसे ही कोई बड़ा वाहन ट्रक या बस इससे गुजरता है, तो वाहनों की लंबी कतार लग जाती है।

वहीं जहां मन नहीं कर रहा है, सड़क पतली ही छोड़ दी जा रही है। कहीं कहीं पर तो बिना सड़क का निर्माण किये ही कर्मी आगे बढ़ जा रहे हैं। इतना ही नहीं, सांप की जैसी बनी नाली को तोड़कर सीधा करने की बजाय जैसे-जैसे नाली बनी है, वैसा ही सड़क का निर्माण कर ठेकेदार के लोग आगे बढ़ जा रहे हैं। जिससे परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

हर चार कदम पर कट, पर रिफ्लेक्टर कहीं नहीं : जाम कम लगे, इसके लिए डिवाइडर का निर्माण तो किया गया है। लेकिन इसमें हर चार कदम पर कट दे दिया गया है। इतना ही नहीं इन कटों में किसी में रिफ्लेक्टर भी नहीं लगा हुआ है। ऐसे में जब लोग रात में इस सड़क से गुजरते हैं, तो उनका डिवाइडर से टकराने का खतरा भी बना हुआ रहता है। ऐसे में आम राहगीरों को काफी संभल कर चलना पड़ता है।

झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना पहुंचीं होटवार जेल, बंदियों को मिल रहीं सुविधाओं की ली जानकारी

केंद्रीय कारागार के सभी वार्डों का किया मुआयना

PHOTON NEWS RANCHI : झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने रविवार को रांची की होटवार जेल (बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार) का निरीक्षण किया। उन्होंने पुरुष व महिला वार्ड में बंदियों से बातचीत कर दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। कम उम्र के दिख रहे बंदियों से भी आयु व केस की जानकारी ली। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश पर वे रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दिवाकर पांडे के साथ जेल पहुंची थीं। जेल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।



जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करती कुमारी रंजना अस्थाना। • फोटोन न्यूज

जमानत की शर्तों में बदलाव को लेकर करें आवेदन : झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने कहा कि जिन बंदियों की जमानत हो गयी है, लेकिन बेलर के अपाव हो वे जेल में ही हैं, तो वे जमानत की शर्तों में बदलाव के लिए जिला विधिक

सचिव कुमारी रंजना अस्थाना और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दिवाकर पांडे (होटवार जेल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुरुष वार्ड में बंदियों से मुलाकात की और कम उम्र के दिख रहे बंदियों से उन्होंने उम्र और केस की जानकारी ली। महिला वार्ड में बच्चों को दिए जाने वाले पोषाहार की भी जानकारी ली।

बंदियों को दी जा रही वोकेशनल ट्रेनिंग की भी ली जानकारी : जेल अस्पताल का भी निरीक्षण किया। वहां उपस्थित डॉक्टर से बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। जेल में बंदियों को दी जा रही वोकेशनल ट्रेनिंग के संबंध में भी जानकारी ली। इसके साथ ही जेल के विधिक सहायता केंद्र, वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष एवं ई-मुलाकात सेवा कक्ष का भी निरीक्षण किया। रांची की होटवार जेल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सभी विचाराधीन बंदियों को उनके अधिकार की जानकारी दी गयी।

मौके पर वे थे उपस्थित : इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन, अवर सचिव झालसा अभिषेक कुमार, रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव राकेश रंजन, एआईजी जेल हमीद अख्तर एवं बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार के कर्मचारी और चीफ कारागार एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य उपस्थित थे।



हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के

बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते हैं। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात् जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है। तन के श्रृंगार में ही जो समय गांवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते हैं वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।



मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते हैं, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते हैं, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं

बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को

समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरॉयड व पैराथायरॉयड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अग्रमान ठीक भी हो तो बड़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ोतरी होती रहेगी।

ॐ महालक्ष्म्यै नमः, ॐ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं वलीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोविद कहि सके कहां ते ॥
मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें।

वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।



इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्याओं के नाम से जानी जाने वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्ताक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के चरुमवान अवतार के समय धूम्रवती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। उनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, मालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।



ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाहू हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमशः पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। उनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, मालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अन्नत हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मेल से एक पुरुषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगेय कहकर सम्मान दिया और ब्रह्माजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की

उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशूल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माण्डों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के किंडा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छठ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूढ़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकैतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।



A parting shot by yours seditiously

SIX years is a long time. I spent six years editing this iconic newspaper, the longest stint I have ever had. And it is time to move on. Fake narratives have become the bane of journalists who make career shifts. They either suffer them or create them to shower scorn on their former employers and colleagues as if all the good work — the idealistic, anti-establishment crusade — was a personal, private act of higher consciousness, and that the publication where it was all done has suddenly sunk into an irredeemable moral morass with their departure. This trend of scorched-earth exits is disgustingly opportunistic.

As the pandemic eased, the paper made a remarkable recovery. There was a 125 per cent growth from the pandemic's nadir.

All the good work in a newspaper is a team effort. None of those god's gifts to journalism can get a decent day's work done without his or her colleagues. And then, no great journalism is possible without an enlightened ownership. Without it, one or two good news reports may slip through rarely, but a sustained attempt at quality journalism calls for public-spirited owners who are committed to the organisation and the reader.

When I was a reporter, a legendary editor once killed one of my investigative reports, which could have hurt a former Prime Minister, simply because he got a phone call from the proprietor. At The Tribune, I never got such phone calls. In fact, when I look back at the hundreds of columns and editorials I have written, one instance stands out as a shining exemplar of The Tribune's traditions. At the height of the farmers' protest, a sports utility vehicle in the convoy of Union Minister of State for Home, Ajay Mishra, had mowed down four farmers — Lovepreet Singh, Nachhatar Singh, Daljeet Singh and Gurbinder Singh — and a journalist, Raman Kashyap.

The video clips that began circulating from Uttar Pradesh's Lakhimpur Kheri on October 5, 2021, made me numb with rage and repulsion. Something more than the usual had to be done. A newspaper's editorial is not its editor's personal opinion, but the organisation's point of view. Yet, I have never asked permission from the Tribune Trust to write an editorial, nor has it ever prescribed a political line.

But that day, for the only one time, I sought the Trust President Shri NN Vohra's advice because I was going to write a front-page editorial. All he said was, "make it strong". And strong it was. The Tribune sought the minister's resignation, called him a goon in a minister's guise and said he deserved to be (locked up) in the police station. The only regret, in hindsight, is that I now think it should have been headlined "Yours seditiously", which was how I signed off.

So, when I proudly proclaim the paper's stand on burning political issues, it is illogical to suggest that the strong position that the group took on the farmers' agitation was mine alone and not that of my employers or colleagues. Every editor adds value to a newspaper, no doubt, but individual effort and integrity get burnished only against the backdrop of organisational action.

It was indeed a team effort that bore fruit after the crash that the newspaper suffered during that Black Swan event — the Covid pandemic. Almost 70 per cent of The Tribune's circulation was wiped off. It was the only mainstream newspaper that was being produced from the newsroom and not from homes. The first-ever woman Chief News Editor of the paper, Nanki Hans, and her team toiled to bring out the paper. And as the pandemic eased, the paper made a remarkable recovery. There was a 125 per cent growth from the pandemic's nadir. That reminds me of R Madhavan Nair, whom many old-timers like Tarlochan Singh consider to be The Tribune's second-greatest editor after Kalinath Ray. During Nair's tenure, the paper grew by 300 per cent and became what it is today. It is indeed amusing to recall the strange coincidence that Nair and I belong to the same district in Kerala, where we did our schooling, moving on to Thiruvananthapuram for university and then to New Delhi for work.

Prioritise students' mental health over their exam results

Our education and societal structures reinforce the idea that success is easily attainable through hard work, thus normalising the blame young people get for their 'failures'.

THE harrowing words of an 18-year-old in her suicide note — "Mummy, papa I can't do JEE. So, I suicide, I am loser. I am worst daughter. Sorry mummy papa. Yahi last option he" — reflect a stark reality. As school education and entrance exam results come out, we are inevitably approaching a familiar crisis of student distress, with suicide as its most devastating outcome. Once again, eye-catching posters of academic centres boasting of unprecedented success will grab the attention of students and parents alike. Driven by the conviction that tuition is indispensable, these centres contribute to what an Asian Development Bank report terms the shadow education market. The coaching industry in India currently generates revenue of Rs 58,088 crore, as reported by the Infinium Global Research, a consultancy firm based in Pune. Projections indicate that the industry's growth will escalate significantly, reaching Rs 1,33,995 crore by 2028. The academic choices of students are frequently overlooked, shifting from the earlier medicine-engineering divide to a focus on STEM (science, technology, engineering and medicine). Parents' aspirations for the success of their children have given a boost to a system that has led to a proliferation of urban coaching centres. However, as emphasised by a report of the Joint Implementation Committee governing the IITs (Indian Institutes of Technology), this rush has created an imbalance. The report reveals that over 76 per cent of the students hail from urban areas, with few coming from state board-affiliated schools. The rise of shadow education creates divisions among students, hindering improvement in schooling as influential parents gravitate towards it. Consequently, at a societal level, it worsens social stratification. It is not advisable for traditional schooling to prioritise or emulate private coaching institutes, as this would result in catering only to a select few students while neglecting the broader student population. Such an approach can further marginalise the average student.

In India, STEM education is intensely competitive. For perspective, the prestigious IITs accept only one in 50 applicants, while Harvard admits one in 19 and Oxford one in six. Exams like the JEE and NEET are designed to be highly selective, where losing even a



single mark can drop a candidate thousands of ranks. Consequently, parents, often unwittingly, and coaching centres, with clear culpability, treat students as commodities — based on the financial resources that well-intentioned but misguided parents are willing to invest.

The results could be devastating. High school student surveys in India reveal a disturbing prevalence of suicidal thoughts, ranging from 6 per cent to 22 per cent, according to the Indian Journal of Psychiatry. Our education and societal structures reinforce the idea that success is easily attainable through hard work, thus normalising the notion that young people should shoulder the blame for their perceived 'failures'. According to the NCRB (National Crime Record Bureau), in 2020, a student committed suicide every 42 minutes in India, totalling over 34 suicides daily. Alarming, this grave crisis is often viewed as an individual issue, which absolves society of responsibility and overlooks systemic failures. In 2020, farmers made up 7 per cent of all suicides, highlighting an acknowledged agrarian crisis. Yet, even though students accounted for 8 per cent of suicides, society fails to recognise this as a sign of academic distress — a troubling oversight given that education is meant to prepare the next generation of nation-builders. Another study in the journal YMER underscores a grim reality: 80 per cent of students experience stress from the pressure to meet parental expectations, while 55 per cent cite parental imposition of choices as a significant stressor. These findings highlight a critical oversight

in recognising the pivotal role of parents and counselling in addressing student mental health challenges. The prevailing myth of the Indian family's unconditional support warrants scrutiny. As the fundamental social unit, the family influences the aspirations and ambitions of youth. The alarming increase in student suicides prompts us to reconsider the true nature of familial support and its potential role as a significant factor in this troubling trend. The installation of spring-loaded fans that can't bear more than 40 kg of weight and 'anti-suicide nets' in Kota hostels highlights a disturbingly shallow response to student suicides that is callous and dehumanising. Not addressing the root causes of student distress is a societal failure. Capitalising on the promise

of a brighter future, coaching centres have risen to prominence within the education sector. Yet, these establishments are increasingly perceived as confinements for the hopeful youth who enrol, where their aspirations, spirits and ambitions are stifled. Shadow education has become deeply entrenched. Policymakers must now explore methods of coexistence and seek symbiosis rather than confrontation. Forming partnerships could be instrumental in advancing social justice. The Government of India's guidelines for regulating coaching centres in 2024 must be followed by states and rigorously enforced. Since the shadow education sector operates on a business model, it should be held accountable for corporate social responsibility, including subsidising fees for economically weaker students, girls and those from rural backgrounds.

Teachers and parents must acknowledge the abundance of professional opportunities. Our culture must prioritise student mental health over exam results and impart virtues like perseverance, determination and patience in addition to academic success. In a world that can be a gruelling test, every youngster requires a strong social support system. It is crucial to instil in them the notion that suicide is never a solution, especially when systems are paradoxically designed to reject rather than select. Establishing multidisciplinary helplines for students in distress could be a crucial starting point in addressing this pressing issue.

India's remittances

Record highlights opportunities, challenges

BY clocking over \$111 billion in inward remittances in 2022, India has firmly established itself as the world's largest recipient. This accomplishment not only underscores the crucial role of Indian migrant workers globally but also highlights the significance of remittances in sustaining economies. The International Organisation for Migration's World Migration Report 2024 lists India, Mexico, China, the Philippines and France as the top remittance recipient countries. India's steady ascent on this score reflects the enduring ties between the expatriates and their homeland.

While celebrating this achievement, it's imperative to recognise the challenges faced by migrants. The UN report highlights the risks of financial exploitation, excessive debt due to migration costs, xenophobia and workplace abuse that continue to plague migrant communities. In the Gulf Cooperation Council states, where a significant number of Indian migrants reside, violations



of rights persist. The Covid-19 pandemic has exacerbated the vulnerabilities of migrant workers, especially low-

skilled labourers and those in the informal sector. Loss of jobs, wage theft and a lack of social security have plunged many into deep insecurity and debt. The phenomenon of reverse internal migration signals a significant shift in labour dynamics, impacting industries reliant on migrant workers.

The report also reveals trends in international student mobility, with China and India emerging as key source countries. The changing landscape of migration necessitates concerted efforts to protect the rights and wellbeing of migrant people. Addressing issues such as labour exploitation and access to social protection, and ensuring safe and orderly migration pathways are imperative for sustainable development and inclusive growth.

India on the cusp of a new dawn in scientific research

Without appropriate redistribution of resources, Sabka Saath, Sabka Vikas will remain an empty slogan.

THE President of India gave her assent to the Anusandhan National Research Foundation (ANRF) Act days before Azadi Ka Amrit Mahotsav concluded on August 15, 2023. The Ministry of Science and Technology has stated that the challenge is to initiate changes so that research in all domains makes a tangible impact on society and quality as well as relevance are prioritised over quantity.

The Department of Science and Technology (DST) recently approached the National Science Academy to solicit help in operationalisation of the ANRF Act and strengthening of research in universities and post-graduate colleges (run by states, the Centre and the private sector). A fortnight ago, about 40 scientists deliberated for two days in Bengaluru to identify the most pressing problems, suggest structural/strategic solutions and the role national academics can play in realising goals articulated by the Act. The detailed recommendations, many of them out-of-the-box suggestions, of the conclave would have reached the DST by now.

The idea of engaging with a national science academy goes back to the proposal for the creation of the National Research Council (NRC) after deliberations on 'Post-war Scientific Organisation of Research in India', held under the aegis of the National Institute of Sciences (the present-day INSA) in Calcutta on September 27-28, 1943.

The Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) had come into being on September 26, 1942, with University of Punjab (Lahore) don Shanti Swarup Bhatnagar being its first Director-General. The founder of the first science academy in India, Meghnad Saha, had motivated Bhatnagar to influence the colonial government to invite Nobel laureate in physiology Archibald V Hill — who was the Secretary of the Royal Society, London, and an

independent member of the British Parliament from Cambridge City — to discuss the plans proposed by Indian scientists. Besides his pre-eminence in several domains after World War I, Hill was also serving as a member of the Scientific Advisory Committee of the War Cabinet. Saha was aware of Hill's attempt to involve scientists in India in the war effort from his correspondence with Max Born, who had briefly worked at the Indian Institute of Science at the invitation of CV Raman during the days of anti-Semitism in Germany.

Mathematician-turned-physiologist Hill had followed the developments in India ever since he had shared a flat with Lahore-born Sohan Lal Bhatia in Cambridge in 1911; Bhatia had been sent to study medicine by his father (Rai Bahadur Hira Lal Bhatia, a noted surgeon of Lahore). During WWI, Hill had led the 'Hill's Brigands' of young mathematicians to locate enemy planes from their sound using mathematical modelling, Bhatia had volunteered as a surgical dresser for the British Navy at that time. He completed his education in 1917, enrolled in the Indian Medical Service (IMS) and was attached to the Mahratta Light Infantry, where he won the Military Cross in September 1918. During his service in the military, Bhatia was appointed professor of physiology at Grant Medical College, Bombay, in 1920. Hill, who had shifted to study physiology in 1910, won the 1922 Nobel Prize. The duo remained in contact. When Hill arrived in India in November 1943, Bhatia had become Deputy Director General of IMS. Hill had chosen to stay in Bhatnagar's bungalow in New Delhi and his host took him around India for four months to meet other scientists. Hill submitted a report titled 'Scientific Research in India' in August



1944. He not only endorsed the creation of the NRC but also called for the strengthening of the CSIR, the establishment of its first five national laboratories and the expansion of support to the Indian Agricultural Research Institute. He advocated the deepening of the scientific basis of medical and technical education in universities, a reduction in the gap in salaries of civil servants and academicians, the institution of a fully paid overseas fellowship scheme for young persons, etc. The establishment of IITs and AIIMS-like institutions was also part of the recommendations made by Hill. He arranged for a delegation of Indian scientists to visit England and America to meet their counterparts and government functionaries in London. During an event on October 29, 1944, Hill had stated that "disaster lies ahead if India's industrial development and national welfare are not immediately attended to".

Homi Bhabha, whose doctoral thesis supervisor RH

Fowler was part of 'Hill's Brigands', had also consulted Hill while submitting his proposal in 1944 to the Tata Trust for the nucleation of the Tata Institute of Fundamental Research. It is no mere coincidence that the Tata-Birla plan for the industrialisation of India after the war, the Sargent Committee report for revamping school and higher education in India after World War II, the Bhow Committee report for improving public health, the creation of the All India Council for Technical Education and the constitution of the NR Sarkar Committee for setting up MIT-like institutions in India happened in quick succession.

Verghese Kurien, Brahm Prakash, Satish Dhawan, Har Gobind Khorana and Gurbaksh Singh had availed the overseas fellowship scheme and they returned to serve and build India after Independence. Hill's Cambridge colleague, Nobel Laureate PMS Blackett, became then PM Jawaharlal Nehru's adviser as the latter presided over the interim government before Independence. aha, who had persuaded then Congress president Subhas Chandra Bose to appoint Nehru as the chairperson of the party's National Planning Committee in 1938, agreed to become a member of the Planning Committee constituted by Nehru in 1948. Saha had successfully contested the election to the first Lok Sabha in 1952. Saha and Nehru unfortunately drifted apart later, but Saha's protégé DS Kothari continued to serve as the first Adviser to Defence Research to propel the agenda of self-reliance in the defence sector.

The National Technology Day (May 11) is a day to reiterate India's resolve to achieve vikas and atmanirbharta. The government has proposed to announce the new annual Rashtriya Vigyan Puruskars to replace the national research awards, which had been discontinued two years ago.

IRDAI approval paves way for Reliance Capital sale to IIHL



MUMBAI. The Insurance Regulatory and Development Authority of India has approved the entry of a third Indian investor, holding 26% in Reliance Nippon Life, Reliance General and Reliance Health insurance companies, a move that clears the way for IndusInd International Holdings (IIHL) to acquire Reliance Capital.

In terms of the deal approved by the IRDAI, Reliance Capital will transfer 26% equity in Reliance Nippon Life and other two insurance companies to Aasia Enterprises, an Indian entity promoted by Ashok Hinduja. After this, Reliance Capital, Nippon Life Insurance, and Aasia Enterprises LLP will be the promoters of the life company.

IIHL has acknowledged the receipt of approval from IRDAI on 10th May 2024. However, the approval is subject to certain "regulatory, statutory, and judicial" clearances/compliances. "The approval is subject to certain 'regulatory, statutory, and judicial' clearances/compliances. IIHL stands committed to working towards obtaining the same as soon as possible and aims to close this transaction by the NCLT's stipulated date of the 27th of May 2024," the company said in a statement.

IRDAI clearance is subject to approval from other regulatory bodies, a lock-in for the new investor, continuous fit and proper assessment of insurer, promoter, and investors, and a bar on the shares of the insurance company being pledged. The regulator has stated that the approval is subject to the deal being completed in three months.

IIHL, chaired by Ashok Hinduja, placed the winning bid of Rs 9661 crore for Reliance Capital in the bankruptcy process. However, the deal was held up because of the IRDAI approval. The bulk of the value of Reliance Capital lies in its 100% holding of Reliance General Insurance and 51% in Reliance Nippon Life Insurance.

Mcap of 6 of top-10 most valued firms declines by Rs

NEW DELHI. The combined market valuation of six of the top-10 most valued firms eroded by Rs 1,73,097.59 crore last week, with HDFC Bank and Life Insurance Corporation of India taking the maximum hit in line with weak equities.

Last week, the BSE benchmark tanked 1,213.68 points or 1.64 per cent. The market valuation of HDFC Bank slumped Rs 60,678.26 crore to Rs 10,93,026.58 crore.

LIC's valuation tanked Rs 43,168.1 crore to Rs 5,76,049.17 crore. Reliance Industries faced an erosion of Rs 36,094.96 crore to Rs 19,04,643.44 crore from its market valuation. The market capitalisation (mcap) of ICICI Bank declined by Rs 17,567.94 crore to Rs 7,84,833.83 crore, and that of State Bank of India went lower by Rs 11,780.49 crore to Rs 7,30,345.62 crore. ITC's valuation dipped by Rs 3,807.84 crore to Rs 5,40,838.13 crore. However, the mcap of Hindustan Unilever climbed Rs 33,270.22 crore to Rs 5,53,822.16 crore. Tata Consultancy Services (TCS) added Rs 20,442.2 crore, taking its valuation to Rs 14,09,552.63 crore.

The mcap of Bharti Airtel rallied by Rs 14,653.98 crore to Rs 7,38,424.68 crore, and that of Infosys went up by Rs 3,611.26 crore to Rs 5,91,560.88 crore.

Reliance Industries remained the most valued firm, followed by TCS, HDFC Bank, ICICI Bank, Bharti Airtel, State Bank of India, Infosys, LIC, Hindustan Unilever and ITC.

US rate cuts: Cooling core inflation will offer minimal relief to Fed

NEW DELHI. Underlying US inflation probably moderated in April for the first time in six months, offering a ray of hope that price pressures will start to ease again after a string of upside surprises. Click here to follow our WhatsApp channel the core consumer price index, which excludes food and fuel, is seen rising 0.3 per cent from a month earlier after 0.4 per cent advances throughout the first quarter. The Bureau of Labor Statistics will issue its CPI report on Wednesday, compared with April 2023, the core CPI is projected to rise 3.6 per cent. While that annual increase would be the smallest in three years, it's still running too fast to placate Federal Reserve policymakers, who want evidence inflation is slowing consistently as they debate the timing of interest-rate cuts. Chart The overall CPI probably climbed 0.4 per cent for a third straight month as gasoline prices reached a six-month high. While core goods prices have largely been retreating, underlying services costs remain elevated and explain why inflation proved stubborn in the first quarter. Inflation down toward its 2 per cent goal rests with the resilient American consumer. Retail sales in February and March advanced solidly, although economists' projections for April suggest households took a breather. Those figures are also due on Wednesday.

On Tuesday, economists will parse the government's report on producer prices to assess the impact of categories such as health care and portfolio management that feed into the Fed's preferred inflation gauge — the personal consumption expenditures price index. Other reports in the coming week include housing starts and industrial production for April.

Fed Chair Jerome Powell is scheduled to speak Tuesday at a foreign bankers event in Amsterdam. Regional Fed presidents Loretta Mester of Cleveland and Raphael Bostic of Atlanta — who both vote on policy this year — are also slated to speak.

Microsoft-backed cloud platform 'will bully Indians to agree with it': Ola CEO

BENGALURU. Ola founder and CEO Bhavish Aggarwal said that the company will move its workloads to its own cloud platform, Krutrim, as it plans to exit Microsoft's Azure within a week.

Ola has been a customer of Microsoft since 2017.

"Since LinkedIn is owned by Microsoft and Ola is a significant customer of Azure, we've decided to move our entire workload out of Azure to our own @Krutrim cloud within the next week. It is a challenge, as all developers know, but my team is very excited about undertaking this. Any other developer who wants to move out of Azure, we will offer a full year of free cloud usage, as long as you don't return to Azure after that!" he wrote on X and in a blog post on Ola.

Krutrim, the AI unicorn founded by Aggarwal, has also opened up its cloud platform to enterprises, researchers, and developers for access to AI computing infrastructure. Krutrim's foundational

models, and open-source models hosted on its platform. In January, Krutrim raised \$50 million in a funding round led by Matrix Partners India. Aggarwal said the funding was at a valuation of over \$1 billion. This makes it perhaps India's first unicorn in the pure AI space.

Aggarwal's decision to leave Azure was triggered by a recent post on LinkedIn, where he criticized the use of the pronoun 'they' as an "illness." LinkedIn removed the post for violating its professional community policies. Aggarwal expressed his belief that the pronoun issue represents a "woke political ideology of entitlement" that does not belong in India. "I wouldn't have entered this debate, but LinkedIn has assumed that Indians need to adopt pronouns in our lives, and that we can't



criticize it. They will bully us into agreeing with them or cancel us. And if they can do this to me, I'm sure the average user stands no chance. As a founder and CEO, this western DEI (diversity, equity, and inclusion) system significantly impacts my business as it fosters an entitlement mindset in our professional lives, and I will fight it," he wrote on X.

Aggarwal emphasized the importance of Indian tech platforms, expressing his concern that his life would be governed by western Big Tech monopolies, leading to cultural subsumption. He clarified that his stance is not against global tech companies, but rather against the imposition of forced ideology as a free-thinking Indian.

To address this concern, Ola plans to collaborate with the Indian developer community to create a social media framework based on ONDC and UPI. "The only 'community guidelines' should be Indian law. No corporate entity should be able to decide what will be banned. Data should be owned by the creators instead of being owned by corporations who profit from our data and then lecture us on 'community guidelines,'" he wrote on X.

Govt to give focused attention to promote India's textiles exports: Textiles secretary

New Delhi. The government will accord focused attention to promote India's textiles exports, which declined for the second year in a row in 2023-24, Textiles Secretary Rachna Shah said. Govt to give focused attention to promote India's textiles exports: Textiles secretary Govt to give focused attention to promote India's textiles exports: Textiles secretary the government has set an ambitious target to achieve USD 100 billion export for textile products by 2030.

The cumulative exports of textiles and apparel from India during April 2023-March 2024 registered a decline of 3.24 per cent at USD 34.4 billion, as compared to USD 35.5 billion in April 2022-March 2023. In 2021-22, outward shipments of textiles and apparel were recorded at over USD 41 billion. "We had challenges like the Red Sea crisis making it slightly more challenging,"

Shah said on the decline in India's textiles exports in 2023-24.

Although geo-political challenges remain, the textiles secretary said some exporters have reported



improvement in their order books in the first quarter and the shipments are likely to improve in the coming months.

We will be looking at more focused attention on products which have greater export potential and the production linked incentive scheme is

focused on those globally traded products," the textiles secretary told PTI. Shah also outlined other measures being looked at to promote exports from the sector, including "possibly looking at newer markets".

Shah said the free trade agreements, which India has entered into with other nations "hopefully will open up more opportunities" for the textiles exports. Sharing the outlook for outward shipments from the textiles sector, Shah said: "We should look at higher exports happening now. The global demand also will start looking better. Already in the first quarter we have seen some of our exporters have reported that the order positions for apparel, made-ups etc, is looking up so that should play out". India has been losing ground in global garments trade to countries like Bangladesh and Vietnam due to their lower labour costs, larger operation footprints, and benefits from free trade agreements.

Inflation data, Q4 earnings, trends to drive markets this week: Analysts

NEW DELHI. Stock markets will be driven by domestic inflation data, ongoing quarterly earnings from corporates and global trends this week, analysts said. News flows around the general election would also be tracked by investors, market experts said. Besides, investors would also take cues from the trading activity of foreign investors, the movement of global oil benchmark Brent crude and the rupee-dollar trend.

"Investors will be bombarded with economic data on both domestic and global fronts. Domestically, watch for Consumer Price Index (CPI) and Wholesale Price Index (WPI). Globally, focus will be on the US Producer Price Index (PPI) and Consumer Price Index (CPI) figures."

"Additionally, Federal Reserve Chair Jerome Powell's speech will be a key



event to watch. China's industrial production data and Japan's GDP figures round out the important releases for the week," said Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart Ltd.

Vinod Nair, Head of Research at Geojit Financial Services, said that the current trend in the domestic markets is likely to continue in the short-term due to election-led uncertainties.

"In the data-hetic week ahead, investors' attention will be focused on the release of India and US CPI data, Europe and Japan's GDP releases, and the FED chair speech. Furthermore, the next set of Q4 results will also attract market sentiment," he added.

DLF, Zomato, Bharti Airtel and Mahindra & Mahindra are among the major companies scheduled to announce their earnings during the week.

"The outlook for the market will be guided by major global and domestic economic data, India's WPI inflation data, US PPI data, Core CPI data, initial jobless claims, Japan's GDP data, India Q4 company results and speech by Fed Chairman Jerome Powell," Arvinder Singh Nanda, Senior Vice President, Master Capital Services Ltd, said. "Overall, we expect.

How to handle populists: a CEO's survival guide

NEW DELHI. THIS YEAR Western bosses must work their way through a lengthy list of obsequious phone calls. Around 80 countries, home to some 4bn people, are holding elections in 2024. Some chief executives may already have drafted their compliments for Narendra Modi, who is near-certain to keep his job as prime minister of India, where citizens are now casting ballots in a weeks-long poll. After Mexico's election in June corporate leaders expect to be congratulating Claudia Sheinbaum, the anointed successor of the incumbent, Andrés Manuel López Obrador.

Western firms working to reduce their reliance on China have turned to India and Mexico. But neither electoral prospect fills them with unadulterated delight. Mr Modi has made his country an easier place to do business, by simplifying its tax system and investing in infrastructure, among other things. But he has also raised tariffs on goods like cars and increased domestic firms' tax advantage over foreign ones. Mr López Obrador has been nationalising the assets of Western firms in industries from construction materials to energy and let criminal gangs run rampant. Indonesia, another market that has caught the eye of Western bosses, elected a populist of its own, Prabowo Subianto, in February.

The CEOs find little comfort closer to home. Few relish the prospect of Donald Trump, a self-described "Tariff Man", triumphing in November, even with his talk of slashing red tape. They also feel ambivalent about President Joe Biden, who talks of raising corporate taxes and blames greedy businesses for stubborn inflation. In Britain, the ruling Conservatives scorn companies' pleas to keep trade with the EU flowing. Yet many corporate grandees are sceptical that Labour will champion their interests if, as expected, the left-of-centre party sails into government later this year. Nationalist parties dubious of free trade are predicted to expand their foothold in the European Parliament after elections in June. One such outfit is on track to win Austria's upcoming national poll.

The long-term trend is clear. The Economist, using data from the Manifesto Project, a research group, examined the ratio of favourable to unfavourable discussions of free enterprise in the manifestos of political parties in 35 Western countries from 1975 to 2021, the most recent year available (see chart 1). We used a five-year-moving average and excluded parties that won less than 5% of the vote. In the 1990s

deregulation, privatisation, unfettered trade and other policies that bring joy to the hearts of businessmen were praised almost twice as often as they were criticised. Now politicians are more likely to trash these ideas than celebrate them. Any residual business-friendliness no longer stems from a belief that what is good for business is good for



citizens—and so, by extension, for their elected representatives' prospects. Instead, governments are asking not what they can do for business but what business can do for them. The West's corporate titans are thus learning to adapt to a world in which their success can turn on a government's whim. The outlines of a playbook are taking shape. Knowledge is the starting point. Bosses are turning to specialist consultancies like Dentons Global Advisors (DGA), McLarty

Associates and Macro Advisory Partners (MAP) that promise to demystify politics at home and abroad. Consulting giants like McKinsey and investment banks like Lazard and Rothschild & Co offer similar counsel. These consiglieri, often former government insiders, help companies understand the political calculations and constraints that shape government policy.

That allows bosses to know which political curveballs to worry about most. Consider what may come of America's coin-toss presidential election. Corporate chiefs can be confident that hostility towards China will persist regardless of who wins in November. Mr Biden, fearful of appearing soft on America's economic rival, has turned steadily more hawkish. In April he called for tariffs on Chinese steel and aluminium to be tripled, from 7.5%, and announced an investigation into subsidised Chinese shipbuilders. On April 24th he signed a bill that, among other things, will ban TikTok in America unless its Chinese owner sells the hit video app to non-Chinese interests. Although Mr Trump may seek to decouple the American and Chinese economies more quickly than Mr Biden, the direction of travel looks similar.

"Need To Develop High Quality Capabilities So That India...": S Jaishankar

New Delhi: In the last few decades, the global order has witnessed a "re-balancing" that is shaping its new directions, External Affairs Minister S Jaishankar said on Saturday. Addressing a gathering here at the launch of the Arbitration Bar of India, Mr Jaishankar also said the requirement to harmonise, mediate and settle differences and disputes will be even more "as we progress on that journey towards Viksit Bharat". This is a "very significant step" in the emergence of India as an arbitration venue, he said.

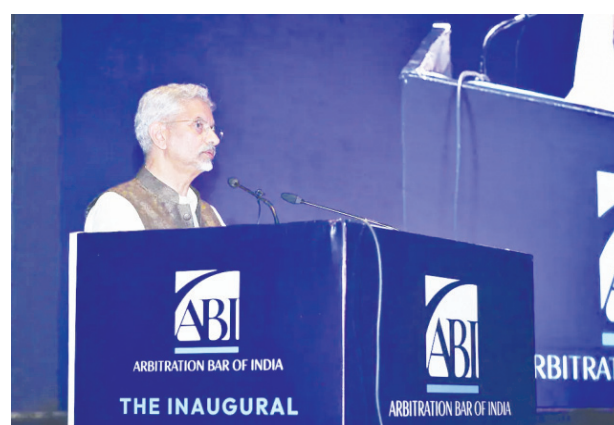
"I know that all of you appreciate its significance more than I do. But let me, as a foreign minister, today really place it in a larger context and a context that I will borrow again from the AG's (attorney general's) reference to a triangle, a Greek triangle. The triangle I use here is really one of law, business and diplomacy," he added. In his address, Mr Jaishankar said, "In the last few decades, the global order has witnessed a re-balancing that is shaping its new directions." "One facet of that is the democratisation of

institutions and activities. As economic capabilities emerge or, in our case, re-emerge, it is natural that many of its accompanying dimensions also spread out much more in the world. In that sense, the event for which we have come is reflective of a larger redistribution of power, of influence and of capabilities in the world," External Affairs Minister said. Obviously, this does not happen by itself and it requires both the vision of a leadership as well as the commitment of the stakeholders to make it happen. And that is actually what is being witnessed in the country today, Mr Jaishankar said. India is currently the fifth-largest economy in terms of GDP and likely to become the third largest soon. It is only to be expected that a domain as crucial as arbitration to the international economy should also find adequate expression here, the minister added. Not just that, like in other spheres, "we need to develop high-quality capabilities so that India too stands out in a competitive world", he said.

Mr Jaishankar later shared some photographs

of the launch event on X. "Glad to participate at the launch of the Arbitration Bar of India. 'Arbitrate in India!' should be a natural accompaniment of @makeinindia as our economy grows and the nation globalises. The Modi government recognises the importance of high quality arbitration as it improves ease of doing business. #TeamMEA is doing its part," he said.

In his post on the microblogging platform, Mr Jaishankar said he is "confident that today's inauguration is one among the legal community's many contributions towards a Viksit Bharat". Earlier, in his address, the external affairs minister said in a world where time is of essence and certainty is of paramount importance, arbitration is recognised as the "cornerstone of modern dispute resolution". This is particularly relevant to recognise in India at a time of rapid economic growth taking place in a globalised environment, he



said. "If we are to get full mileage from our 3D dividend of democracy, demographics and demand, then high-quality arbitration is a notable factor in further attracting foreign direct investment (FDI)," the minister added. He concluded that India is poised to make crucial decisions about its future. There is a foundation of a decade of transformation on which "we are seeking to build a pathway for

the next 25 years", he said. "Our goal is Viksit Bharat, that is developed India. This will not only have an economic matrix but an all-round development that would include quality of life, ease of doing business, deep national strengths, technological capabilities, a larger role in the international economy, but not least, the institutions, the infrastructure and the talent that would actually define Viksit Bharat," Jaishankar said.

It will certainly be a nation that will see more intensive and consequential economic activities at home and abroad. The requirement to harmonise, mediate and settle differences and disputes will be even more as we progress on that journey towards Viksit Bharat," the minister added. "The legal world will also make its expected contribution to the evolution of Viksit Bharat. I believe that the inauguration of the Arbitration Bar of India is one noteworthy step in that direction," he said.

Kerala man misbehaves with crew, threatens to jump off Air India Express flight

New Delhi: A man from Kerala was arrested for misbehaving with crew on an Air India Express flight between Dubai and Mangaluru. The man even threatened to jump from the aircraft. Siddhartha Das, the security coordinator for Air India Express, lodged a complaint against the passenger, after which he was caught by the airport security once the flight landed at Mangaluru. He was later handed over to the police.

"The individual in question, identified as Muhammad BC from Kannur, Kerala, was travelling on an Air India Express flight from Dubai to Mangaluru on May 8. He allegedly behaved in an unruly manner, creating disturbances during the flight, causing inconvenience to both the crew and fellow passengers. His actions endangered others as he made threats of jumping into the sea from the aircraft," a senior police official said.

"This is Foreign Minister Zameer's first official visit to India since assuming office," it said.

"He was apprehended by the airport security once the flight landed in Mangaluru and was handed over to the Bajpe police station, along with a formal complaint for necessary legal action. Subsequently, a case was registered, and he was arrested," the official added.

Groom Fled Before Wedding": BJP On Congress' Indore Pick Dropping Out

Indore: Taking a dig at the Congress over its Indore Lok Sabha seat candidate withdrawing from the fray at the last moment, Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav has said it was not his party's fault if the "bridegroom fled before the wedding".

The Congress received a jolt in Indore after its candidate Akshay Kanti Bam withdrew his nomination on April 29, the last date of withdrawal, and later joined the Bharatiya Janata Party (BJP).

"The Congress claimed that the BJP did something wrong in Indore. What was our fault? It is like inviting the entire village to the wedding feast and the groom running away before the marriage ceremony," Yadav said at the BJP's campaign rally at Betma near here on Saturday. The opposition party, which has no candidate left in the fray for the May 13 election in Indore, is insulting democracy by appealing to local voters to press the NOTA (None Of The Above) button, the chief minister said. "If someone's child runs away from home, whose fault is it? They are your children, you should take care of them," he said. Yadav also participated in a roadshow in Indore city in support of BJP candidate and sitting MP Shankar Lalwani. Terming the opposition INDIA bloc as "Ghamandiya" alliance, Yadav evoked the epic Ramayana and the city of Lanka, the capital of its arch-villain Ravan.

"These arrogant people were born in Lanka 17 lakh years ago during the time of Lord Ram. Due to the bankruptcy of their intellect, they posed as fake saffron-clad (monks) to abduct Sita," the chief minister said during the roadshow. Calling upon the voters to reject the Congress' appeal to opt for NOTA, he said, "Mother Sita made the mistake of crossing the 'Lakshman Rekha,' but the people of Indore should resolve that they will not cross the Lakshman Rekha under any circumstances.

"Taking a swipe at state Congress president Jitu Patwari, who hails from Indore, Yadav said after suffering defeat at the hands of BJP candidate Madhu Verma in Rau seat in the district in the last year's assembly elections, Patwari was scared of contesting the Lok Sabha election. On the other hand, even some 80-year-old Congress leaders were contesting the election, he added.

Referring to Congress leaving the Khajuraho Lok Sabha constituency to the Samajwadi Party as part of a seat-sharing agreement, Yadav claimed that it showed the Congress was afraid of elections.

Delhi Student Kills Self In Bhubaneswar, Father Says She Was Sexually Abused

New Delhi: Three weeks after his daughter, a student of the National Institute of Fashion Technology died by suicide in Bhubaneswar, a Delhi man is still searching for answers. The distraught father has alleged the 22-year-old had said in her suicide note that she was drugged and sexually harassed at a party.

The 4th-year NIFT student (names withheld) was found dead at her rented accommodation in Bhubaneswar, which she shared with some other students of the college. She was found hanging from a ceiling fan by her neighbour, a fellow NIFT student, and her mother, who broke down the door after she did not respond when they rang the doorbell or called her on her phone repeatedly. The student's father

has said the police registered a case of abetment to suicide only on May 4, after he flew down to Bhubaneswar. He has also filed a complaint with the



National Human Rights Commission.

He alleged that, in her suicide note, his daughter had said she was drugged and sexually harassed at a party by a man, which had made her turn to drugs and alcohol to cope with the traumatic

incident. She had also written that she felt out of place in the fashion world and was unable to deal with the pressure. Her flatmates said they did not know about any such incident but said she had been under stress, which they had chalked up to the anxiety of getting placements.

The institute's authorities refused to comment, but sources said a committee has been formed to probe the reasons behind her death. "NIFT allows no parties inside the campus in which alcohol is served. We don't know what happened outside the campus," said a source.

I cannot bring back my daughter, but I want to ensure that she gets justice. I want to make sure nothing like this ever happens to any student studying in NIFT," he added.

Delhi Doctor Tortured, Hit On Head, Then Strangled With Leash, Say Police

New Delhi: The Delhi Police's investigation into the murder of an elderly physician in southeast Delhi's Jangpura area has revealed that he was brutally tortured and hit on the head with a blunt object before being strangled with a leash, officials said on Saturday.

Yogesh Chandra Paul, a 63-year-old physician, was found dead in his home in Jangpura Extension on Friday. Mr Paul's body was found with his hands tied, they said. The police accessed footage from a CCTV camera near Mr Paul's house that showed four suspects.

A police officer aware of the investigation said one suspect stood outside while the other three entered the house. The accused beat up Mr Paul, gagged him and tied him to a chair. They dragged the chair with Paul tied to it to the kitchen where they hit him on the head with a blunt object and

strangled him with a dog leash, the officer said. The accused had locked Mr



Paul's two dogs in the bathroom. They then ransacked the house before fleeing. The police have registered a case of murder and robbery and are investigating it from various angles. "We have not ruled out the possibility of some insider or someone known to Paul being involved," the

officer said.

Mr Paul lived with his wife Neena Paul, a doctor at a Delhi government hospital. She was at work when her husband was murdered. One of their daughters lives in Canada while the other lives in Noida. Both are married. The matter came to light after Neena Paul returned home, the police said. Neighbours said Mr Paul was a popular doctor in the area as he ran a clinic from his house. He used to treat the poor without charge and even gave them medicines for free. Deputy Commissioner of Police (Southeast) Rajesh Deo said they have strong leads and the investigation is at a crucial stage. Raids are being conducted at various locations to nab the accused. On Saturday, Paul's neighbours held a candle march in the locality. Some residents alleged poor police patrolling led to the murder.

'Congress Betrayed Me...' Disqualified Nominee From Surat Breaks Silence After 20 Days

Kumbhani claimed that the Congress had betrayed him first in 2017, but he was silent earlier as he respects the party's state president.

New Delhi: Suspended Congress leader Niles Kumbhani reappeared after 20 days of going incommunicado as his nomination for the Surat Lok Sabha seat was rejected due to discrepancies leading to a BJP candidate winning unopposed from the constituency. Kumbhani claimed that the grand old party had betrayed him first in 2017, according to PTI. The Surat

leader said he was silent earlier as he respects the party's state president, Shaktisinh Gohil, and the party's Rajkot Lok Sabha candidate, Paresh Dhanani.

Talking with the reporters, Kumbhani said, "Leaders in Congress are calling me a traitor. But when my ticket for the Kamrej Assembly seat in Surat was abruptly cancelled during the 2017 assembly elections, it was the Congress which betrayed me first, not me." He added that he did not want to do this, but the party's five self-proclaimed leaders in Surat were angry because they neither allowed others to work nor did they themselves do anything. This upset my followers, office workers, and employees. "These leaders expressed disapproval when I used to campaign with AAP leaders here, even though AAP and Congress are members of the INDIA alliance," Kumbhani asserted.

When asked if the sudden shift in Lok Sabha elections was supposed to be revenge on the Congress party, Kumbhani refrained from giving a direct reply.



Earlier, he had held the office of Congress corporator in the Surat Municipal Corporation. In 2022, he fought the assembly polls in Kamrej but lost to a BJP candidate. On April 21, Kumbhani faced

rejection of his nomination form when his three proposers stated to the district returning officer that they had not signed the document. After which, the replacement candidate for Congress, Suresh Padsala, also had his nomination form rejected, effectively removing the party from the Lok Sabha competition.

On April 22, Mukesh Dalal of the BJP was declared the winner in Surat, unopposed, as all other contenders, including one from the BSP, withdrew their nominations. AAP had previous arrangements with the Congress, so they opted out too. Kumbhani had been unreachable since April 22. The Congress suspended him, holding him responsible for the rejection of the nomination form and alleging his involvement in collaboration with the BJP.

The Lok Sabha elections in Gujarat were conducted in one phase on May 7.

BJP Afraid To Declare Odisha Chief Minister Candidate Because...": VK Pandian

Bhubaneswar: Senior BJD leader VK Pandian on Saturday challenged the BJP to declare its CM candidate for Odisha and claimed that the party would get less than 10 per cent votes if it names any of its current state leaders.

Campaigning in the Sundergarh Lok Sabha seat, Mr Pandian said BJP has been "day-dreaming" about forming government in Odisha since 2014. "When elections come many leaders come as election tourists, and then they are not seen for five years," he said. It's a very old habit of BJP leaders of Odisha to daydream about forming government as Naveen Patnaik has said. They have been daydreaming since 2014," he added. Mr Pandian claimed the BJP was unable to declare its CM candidate because it knows the day it will announce, its vote share will go below 10 per cent.

"PM Modi is claiming that the BJP chief minister will take oath on June 10. The people of Odisha have the right to know who is the BJP's CM candidate. Let the people decide between Naveen Patnaik and the BJP candidate. The BJP is afraid to declare its CM candidate because they know that if



they choose any one of the current leaders, they will get less than 10 per cent votes," he said. "I challenge the BJP to declare its CM candidate," he added.

In an indirect reference to Mr Pandian's earlier assertion that he is the natural successor to all great values of CM Patnaik, PM Modi told an election rally, "I am here to invite you to the swearing-in ceremony of the BJP chief minister in Bhubaneswar on June 10. A son or daughter of the soil who understands the state's culture, language and tradition will be made the CM."

Mr Pandian said the BJP is claiming that it will make Odisha the top state in the country, "but is Gujarat the number one state?" "Malnutrition among children in Gujarat is 40 per cent. Anaemia among children in Gujarat is 79 per cent. Per capita debt burden of Gujarat is close to ? 60,000," he claimed.

Claiming that CM Patnaik never forgets his promises, Mr Pandian said that the BJD manifesto will be converted into a policy document after the elections.

NEWS BOX

Huge protests in POK over taxes, inflation turn violent as cops crack down



World. Protests against heavy taxation, high inflation and electricity shortages turned violent as police cracked down on demonstrators in Pakistan-Occupied Kashmir's capital, Muzaffarabad. Clashes broke out between law enforcement and protesters in Dadyal, Mirpur, and other parts of POK, including Samahni, Sehansa, Rawalakot, Khuratta, Tattapani, and Hattian Bala. The shutdown and wheel-jam strike in Muzaffarabad called by the Jammu and Kashmir Joint Awami Action Committee (JKJAAC), also saw police resort to teargas shelling and firing bullets in the air. The Awami Action Committee called for the protest, demanding tax-free electricity from the Mangla Dam and subsidies on wheat flour. The strike was catalysed by overnight police raids resulting in the arrests of numerous leaders and activists.

The committee had previously announced plans for a long march towards Muzaffarabad on May 11. The administration had tried to crush the planned protests by deploying additional troops from the Pakistan Rangers and Frontier Corps and with the arrest of the activists.

Pakistanis have been reeling under back-breaking inflation, worsened by the stringent conditions imposed by the International Monetary Fund while approving a \$3-billion financial assistance package. The increase in electricity charges added to the problems, and people in Pakistan have been forced to take to the streets.

Switzerland wins Eurovision Song Contest amid Gaza protests

Malmö (Sweden). Switzerland on Saturday won the Eurovision Song Contest 2024 in Swedish host city Malmö, beating runner-up Croatia, after having been among bookmakers' top-three to win the competition.

Billed as a feel-good celebration of European diversity, this year's contest has been thrust into the political spotlight with calls for Israel to be excluded over its military campaign in Gaza, triggered by Hamas' deadly attack on Oct. 7 in Israel.

Swiss rapper and singer Nemo, 24, won the contest with "The Code", a drum-and-bass, opera, rap and rock song, about Nemo's journey of self-discovery as a non-binary person. "I hope this contest can live up to its promise and continue to stand for peace and dignity for every person in this world," Nemo said, after receiving the Eurovision trophy on stage.

"To know that a song that has changed my life and a song where I just speak about my story has touched so many people and maybe inspired other people to stay true to their story is the most insane thing that has ever happened to me," Nemo later said during a press conference. Nemo's Eurovision triumph was the third for Switzerland, and the first since Canadian star Celine Dion won singing for the Alpine country in 1988 with "Ne Partez Pas Sans Moi." Cheers of joy broke out in bars in central Zurich when the winner was announced, and Swiss revellers sang along as Nemo tore through a victory rendition of "The Code".

"I think it's just great, Nemo is fantastic," said Maha Nater, a 24-year-old kindergarten worker celebrating the win in the city after watching the marathon contest.

One karaoke bar began blasting out Queen's "We Are The Champions" as patrons joined in. Nemo's victory would blaze a trail for others who had had to cope with prejudice against non-binary people, said Nater.

"It sets an example to follow," she said. Croatia's Baby Lasagna, real name Marko Purisic, 28, came second with "Rim Tim Tagi Dim", a song about a young man who leaves home aspiring to become a "city boy" with better opportunities.

Japanese angst as India set to overtake as 4th largest economy

Tokyo. The announcement that in 2025 India will overtake Japan in nominal gross domestic product in dollar terms has shocked Tokyo, which had until 2010 been the undisputed second-largest economy in the world but is now on the brink of slipping to fifth place.

In estimates released in late April, the International Monetary Fund (IMF) indicated that India's nominal GDP will reach \$4.34 trillion (€4.03 trillion) in 2025, surpassing Japan's \$4.31 trillion. The timing of India's surge into fourth place in the world comes one year earlier than the IMF's last estimate, due in large part to the weakness of the Japanese yen. Japan's decline in the global economic standings follows the government's confirmation that the nation slipped behind Germany in 2023. The shock at India likely surpassing Japan next year is comparable to 2010, when a buoyant China replaced Japan as the world's second-largest economy.



Fujitsu's Global Market Intelligence Unit.

Implementing 'Abenomics'

The problems the nation faced were recognized by Shinzo Abe when he became prime minister in 2012 and announced sweeping plans dubbed "Abenomics" to lift Japanese growth, Schulz said. And while two of the "three arrows" of the policy — monetary easing by the Bank of Japan and fiscal stimulus through government spending — enjoyed a good degree of success, the third arrow, of structural reforms, fell short. "The whole idea of Abenomics was to drive growth at businesses, but structural reforms were also needed to push productivity, but that is very hard to do in a country that is aging and where there is resistance to change, to digitalization and people who have been in positions for a long time simply prefer the old ways."

Donald Trump rules out former rival Nikki Haley as running mate

Republican presidential candidate Donald Trump said he was not considering former South Carolina governor Nikki Haley running for vice president in general election.

Nikki Haley is former South Carolina governor

A number of potential candidates to run for vice president

Doug Burgum, Kristi Noem, Marco Rubio, Tim Scott in list

Washington. Donald Trump said on Saturday that former Republican presidential candidate Nikki Haley was not being considered to be his running mate in the November election, dismissing a report by news site Axios.

"Nikki Haley is not under consideration for the VP slot, but I wish her well!" Trump wrote on his social media platform Truth Social. Citing people familiar with the situation, Axios had reported that Trump could pick Haley if he were convinced she could help him win the presidency, avoid a potential prison sentence and cover tens of millions in legal bills if he loses.

Haley, the former South Carolina governor and a former US



ambassador to the United Nations, ended her long-shot challenge to Republican presidential frontrunner Trump in March. Comment was not immediately available from Haley. While she has acknowledged that Trump, who

repeatedly belittled her candidacy, would be the Republican nominee, Haley has not endorsed him.

There was already a long list of potential candidates for the vice president position that includes North Dakota Governor Doug

Burgum, South Dakota Governor Kristi Noem, US Senators Marco Rubio, Tim Scott and JD Vance, and US Representative Elise Stefanik.

Burgum and Scott competed against Trump for the 2024 Republican nomination before dropping out. Noem has been embroiled in controversy after revealing in a memoir that she once shot a 14-month-old dog for being disobedient.

Trump is in no hurry to pick a running mate, according to advisers. He will not be formally nominated until the Republican convention in Milwaukee, Wisconsin, in July. He will face President Joe Biden, a Democrat, in the November 5 general election.

21 Killed In Israeli Strikes In Central Gaza, UN Warns Of "Epic" Disaster

Gaza. Israeli strikes on Saturday hit parts of Gaza including Rafah where Israel expanded an evacuation order and the UN warned of an "epic" disaster if an outright invasion of the crowded city goes ahead.

AFP journalists, medics and witnesses reported strikes across the coastal territory, where the UN says humanitarian relief is blocked after Israeli troops defied international opposition and entered eastern Rafah this week, effectively shutting a key aid crossing and suspending traffic through another.

At least 21 people were killed during strikes in central Gaza and taken to Al-Aqsa Martyrs Hospital in Deir al-Balah city, a hospital statement said.

Bodies covered in white lay on the ground in a courtyard of the facility. A man in a baseball cap leaned over one body bag, clasping a dust-covered hand that protruded. The feet of another corpse poked from under a blanket bearing the picture of a large teddy bear.



In Rafah, witnesses reported intense air strikes near the crossing with Egypt, and AFP images showed smoke rising over the city. Other strikes occurred in north Gaza, witnesses said.

Hamas on Saturday accused Israel of "expanding the incursion into Rafah to include new areas in the centre and the west of the city".

Israeli troops on Tuesday seized and closed the Palestinian side of the Rafah crossing -- through which all fuel

passes into Gaza -- after ordering residents of eastern Rafah to evacuate.

The army said Saturday troops were engaged in "operational activity" at the crossing, where they fought against "armed terrorists" and found "numerous underground tunnel shafts".

While mediation efforts towards a truce and hostage release appeared to stall, Hamas's armed wing said a hostage they had released a video of earlier on Saturday had died from wounds he suffered in an Israeli strike. The Ezzedine Al-Qassam Brigades said that Nadav Popplewell, a British-Israeli man, had been wounded in a strike a month ago and died "because he did not receive intensive medical care because the enemy has destroyed the Gaza Strip's hospitals".

The Israeli military did not offer any comment on the earlier video and AFP was unable to independently verify its authenticity.

Name and shame: Pro-Israel website ramps up attacks on pro-Palestinian student protesters



Washington. Weeks after attending a pro-Palestinian demonstration, Egyptian-American student Layla Sayed received a text message from a friend drawing her attention to a website dedicated to exposing people it says promote hatred of Jews and Israel.

"I think they found you from the protest," the friend wrote. When Sayed visited the site, called Canary Mission, she found a photo from the Oct. 16 rally at the University of Pennsylvania with red arrows pointing to her among the demonstrators. The post included her name, the two cities she lives in, details about her studies and links to her social media accounts. Canary Mission later posted a photo of her on its X and Instagram accounts labeled "Hamas War Crimes Apologist," a reference to the Palestinian militant group's Oct. 7 attack on Israel in which around 1,200 people were killed and 253 taken hostage, according to Israeli tallies. In response to that raid, Israel launched a military offensive in the Gaza Strip that has killed nearly 35,000 Palestinians, according to Gaza health authorities.

Comments about Sayed from social media users poured in. "No future for that c.n.t.," one X user wrote. "Candidate for deportation to Gaza," wrote another. Although Sayed has long supported Palestinian causes, she said it was the first time she had participated in a pro-Palestinian demonstration at Penn, and Canary Mission did not flag any other activities.

"My initial reaction was just absolute shock," Sayed, a 20-year-old sophomore, told Reuters. "I wasn't there to say I supported Hamas. I wasn't there to say I hated Israel. I was there to say what's happening in Palestine is wrong." She said she did not realize at the time that a chant Canary Mission took issue with, "When people are occupied, resistance is justified," is considered by some as an expression of support for Hamas' killings. She joined in the chants, she said, to show support for demonstrations. Responding to an inquiry submitted via its website, Canary Mission said it has been "working around the clock" to combat a "wave of antisemitism" on college campuses since Oct. 7, including by exposing people who endorse Hamas.

Fourth Indian arrested in Canada for Hardeep Singh Nijjar's murder

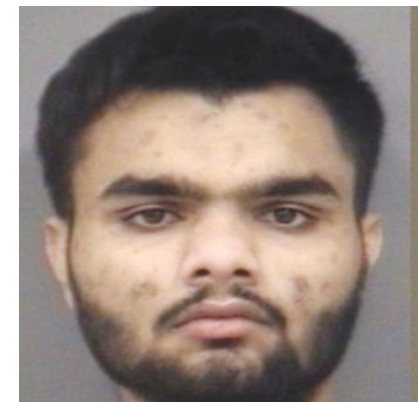
The fourth person arrested in the case, Amandeep Singh, has been charged with first-degree murder and conspiracy of Nijjar's killing.

World. Canada has arrested a fourth person and charged him with the murder of Khalistani terrorist Hardeep Singh Nijjar, Canadian police said on Saturday.

The Integrated Homicide Investigation Team (IHIT) informed that they have arrested one Amandeep Singh and charged him with first-degree murder and conspiracy of Nijjar's killing.

22-year-old Amandeep Singh, an Indian national residing in Brampton, Surrey and Abbotsford, was already in custody in Ontario for unrelated firearms charges, said IHIT.

"This arrest shows the nature of our ongoing investigation to hold responsible those that played a role in the homicide of Hardeep Singh



Nijjar," said Mandeep Mooker, IHIT officer in-charge. Amandeep Singh is now the fourth person arrested in the

case alongside Karan Brar (22), Kamalpreet Singh (22), Karanpreet Singh (28). The trio have been arrested under the same charges in connection to Nijjar's killing.

Nijjar was killed in a targeted shooting in Canada's Surrey outside a gurdwara. His name had been included in a list released by the Indian government with 40 other 'designated terrorists'.

Hardeep Singh Nijjar's killing, in which Canada sees an Indian role, has been a thorn in bilateral ties.

Indo-Canadian ties had nosedived after Canada's allegations of an Indian role in Nijjar's killings. India had earlier blamed Trudeau and his party of vote-bank politics for wooing Khalistanis.

Haitians demand the resignation and arrest of the country's police chief after a new gang attack

Port-au-prince. A growing number of civilians and police officers are demanding the dismissal and arrest of Haiti's police chief as heavily armed gangs launched a new attack in the capital of Port-au-Prince, seizing control of yet another police station early Saturday.

Armed men raided the coastal community of Gressier in the western tip of Port-au-Prince late Friday, injuring people, burning cars and attacking homes and other infrastructure as scores of people fled into the nearby mountains following a barrage of gunfire overnight.

It was not immediately known if anyone died.

Videos posted on social media showed people fleeing into the early dawn balancing bags and suitcases on their heads as men clad in sandals and carrying heavy weapons celebrated with gunfire.

"The town is ours," said one man who filmed himself with others who were armed, noting they were in Gressier. "We have no limits." The attack comes roughly a week after gang attacks in central Port-au-Prince forced more than 3,700 people



to flee their homes.

"The situation is critical and catastrophic," Garry Jean-Baptiste, a spokesman for the SPNH-17 police union, told The Associated Press. He called Frantz Elbé, director of Haiti's National Police, incapable and incompetent: "Monsieur Elbé has failed." Jean-Baptiste said the union wants a newly installed transitional presidential council to demand Elbé's resignation and order justice officials to launch an investigation into the crisis.

"Police continue to lose their premises and equipment and officers," he said, adding that at least 30 police stations and

resources. "The police could not prevent the worst," he said. Jean-Baptiste said the attack was planned by gunmen who came from the neighboring communities of Village de Dieu, Martissant and Mariani.

Gressier is in an area controlled by Renel Destina. Best known as "Ti Lapli," he is a leader of the Grand Ravine gang and considered a key ally of Izo, another powerful gang leader, according to the UN. The Grand Ravine gang has some 300 members and is accused of killings, kidnappings, rapes and other crimes.

Those fleeing Gressier now join more than

360,000 other Haitians who have been forced to abandon their homes as gangs raze communities in rival territories to control more land. Tens of thousands of Haitians have squeezed into squalid, makeshift shelters, including schools and government buildings abandoned due to gang violence.

Gunmen have burned police stations, opened fire on the main international airport that remains closed since March 4 and raided Haiti's two biggest prisons, freeing more than 4,000 inmates.

Veteran politician André Michel wrote on the social media platform X that the most recent attack targeting Gressier shows "Haiti will not be able to get out from under the gangs without an international force. ... We will not be able to secure the country ourselves."

A UN-backed deployment of Kenyan police officers to Haiti has been repeatedly delayed, although some believe the first officers might arrive in late May. Scores of US military planes have been landing at the shuttered airport in Port-au-Prince in recent weeks, carrying civilian contractors, life-saving supplies, building materials and heavy equipment ahead of the anticipated arrival of a multinational mission.

NEWS BOX

Don't 'needle' players like Virat Kohli, they just get better: Matthew Hayden

New Delhi. Matthew Hayden feels that people shouldn't be looking to 'needle' players like Virat Kohli as they would just get better. Kohli had coped a lot of criticism during the IPL 2024 season over his strike-rate. After initially biting back at the critics, Kohli decided to let his bat do the talking and reminded everyone of his class with his 47-ball 92 against PBKS.

Kohli has also shown improvement against spin, especially outside the powerplay overs. Hayden, while talking to Star Sports, said that there was always going to be strike-rate criticism directed at Kohli as he is a very conventional and technical player, who takes the game deep in all formats of the game. "I understand from a fan's point of view that Virat Kohli has copped a bit of criticism around the strike-rate. It'll always be the case because, he's a very conventional cricketer. He's a very technical cricketer, which makes him a great across all three formats."

Hayden feels that Kohli listened to the criticism and went about with his business of getting better in the middle phases against spin. The Aussie legend feels that this would serve well for India in the T20 World Cup as teams would have two or three spinners in their lineup. "But one of the big concerns that we've all had is through the middle. And so, like all great champions, if there is something out there in the media or there's something where you can feel yourself to improve, then you get about making your business to do so. And I sense that that's exactly what's happened to Virat Kohli this season. You know, those middle phases being that 138 strike-rate against spin, that's critical for India because international sides they'll line up with spin. Every side will have two, sometimes three spinners as their resource, and they'll use it to slow down a Kohli who, inside that powerplay has got such a huge energy and momentum and creates great pressure on opposition," said Hayden.

KKR vs MI: Refreshing to see Venkatesh Iyer attack Jasprit Bumrah, says Varun Aaron

Kolkata. Varun Aaron heaped praise on Venkatesh Iyer for taking the attack to Jasprit Bumrah during KKR's IPL 2024 match against MI on Saturday, May 11 at the iconic Eden Gardens in Kolkata. The left-handed Iyer had a huge task in hand, especially after the Knight Riders lost the early wickets of Phil Salt and Sunil Narine. Instead of going into his shell, Iyer scored 42 runs off 21 balls with 6 fours and 2 sixes. It was in the fourth over when Iyer laid into Bumrah and injected momentum into the KKR innings with a 15-run over. Iyer collected a four through the third man region after which he smacked Bumrah for a six over mid-wicket. Iyer finished the over with another scorching boundary over the bowler's head.

It was refreshing to see a batter take the attack to Bumrah and not actually play him out, which was really nice because he took some risks," Aaron told ESPNcricinfo. "He stepped down the wicket, made some room for himself, he just wasn't in that mindset, 'You know what, this is Bumrah, I am going to play him out'. Rather, he took the attack to him, which was great," Aaron added. Just when it seemed that Iyer would get a big score, Piyush Chawla cut short his stay. Iyer was KKR's standout batter as the 2-time champions scored 157 for 7 in a rain-curtailed 16-over match.

CSK vs RR: Chennai prepares for 'true warrior' MS Dhoni's final home game in IPL 2024

New Delhi. CSK are set to play their final home game of the Indian Premier League 2024 season on Sunday, May 12. Ahead of the match, CSK have put up a heartfelt post for MS Dhoni, who has been playing through pain in the Indian Premier League. CSK confirmed that MS Dhoni is injured but has been fighting through the pain like a true leader. The match against RR could also turn out to be MS Dhoni's final game at home if CSK do not manage to qualify for the playoffs this season. Reports have been flying in the Indian media that MS Dhoni has been playing with a muscle tear. Dhoni has been seen limping on several occasions in the ongoing season and it has been speculated that the injury is of a similar nature to last year's. Dhoni limped for the majority of the 2023 season of the tournament and had to get knee surgery done to facilitate his return in 2024. "Despite his old age. Despite the pain. Despite the reduced strength. A hero never stops wielding his sword!" CSK tweeted ahead of their home game. Dhoni has looked vintage in the 2024 edition of the tournament, maximising his presence in the final two overs of the game. After giving up his captaincy right ahead of the season, CSK have found a pure wicketkeeper-batter in MS Dhoni, who has not only been brilliant behind the stumps but has also been in brilliant form with the bat. Dhoni has scored 136 runs at a strike rate of 226.67 in his 12 appearances so far. Earlier this season, RR opener Jos Buttler had shown his admiration to Dhoni and said that for many around the world, their favourite moment in the IPL is to see Dhoni bat and hit shots that only Dhoni can pull off. Crowd have come in numbers in all of CSK's away matches and have shown incredible support to the former CSK and India captain. Captains from other franchises have acknowledged Dhoni's pull even at the age of 42 and said that they feel like they are playing an away game whenever.

'Real deal' KKR deserved playoffs spot in IPL 2024: Mike Hesson

Mike Hesson has lauded KKR as the real deal after the Shreyas Iyer side secured their playoffs spot in the IPL 2024 season. KKR qualified after beating MI at home on 11 May.

Kolkata. Former RCB coach Mike Hesson has lauded KKR after the team qualified for the playoffs in the Indian Premier League. KKR became the first team this season to achieve qualification after they beat MI at the Eden Gardens on Saturday, 11 May. Speaking on Jio Cinema after the match, Hesson said that KKR thoroughly deserved the playoffs spot and were the real deal in the IPL. Hesson argued that KKR had match-winners in every position of their playing XI, who could turn the fate of the



game on their day. Hesson said that KKR's biggest strength is that they bat really deep and have explosive hitters through the lineup.

KKR have secured the playoffs position and thoroughly deserved it. I mean, their performance throughout this IPL has been

exceptional. They've got so many match winners, you know, in their batting lineup, they bat deep. Anyone on their given day can win the game," Mike Hesson said on Jio Cinema after KKR's win vs MI. "We've seen how the openers and the top order do it, but they've got all that power at the back end as

well. Even Ramandeep, you know, he's an unsung hero. And these guys here, if there's anything in the wicket Narine and Chakravarthy will exploit it, and the young seamers as have been impressive as well. And Starc, you know, he hasn't been great, but on his day he can turn a game as well. So they are very much the real deal," Hesson further added on Jio Cinema.

IPL 2024: KKR vs MI

KKR became the first team to seal their place in the IPL 2024 Playoffs as they defeated MI at the Eden Gardens, Kolkata on May 11, Saturday. This is the first time KKR are making it to the playoffs since they made it to the final of the 2021 season. KKR made it 9 wins out of 12 matches as they extended their lead at the top of the IPL 2024 points table. KKR has been one of the early pace-setters this season along with RR as they have continued to be the top two for most of the season. The arrival of Gautam Gambhir as mentor has certainly had the desired effect on the two-time champions, who had finished in 7th spot last season. Another win in their remaining two games will seal their spot in the top two and head to the qualifier 1 of the playoffs.

KKR can win IPL, Sunil Narine, Varun Chakravarthy changed the game: Piyush Chawla

Kolkata. KKR beat MI at the Eden Gardens on Saturday, 11 May to qualify for the playoffs in the Indian Premier League 2024. In a rain-curtailed game, KKR beat MI by 18 runs, owing to some superb bowling from Sunil Narine and Varun Chakravarthy. Chakravarthy was named player of the match for his spell of 2/17 in his four overs, which helped KKR restrict MI to just 139/8 in their chase of 158 runs. Speaking after the match, MI's Piyush Chawla credited both Varun and Narine for their incredible spells and said it was those 7 overs that derailed MI completely, despite starting well in the chase. MI were off to a flyer with Ishan Kishan finding range early in his innings, however, three quick wickets between the 7th and the 11th over halted their plans. "We started off well, but the Sunil Narine spell and the Varun Chakravarthy spell made the difference in today's game," Piyush Chawla said in the



post-match press conference.

Chawla also felt that KKR have it in them to win the IPL 2024 due to the team's overall form in the tournament. Throughout the season, batters have found it difficult to deal with Sunil Narine and now Varun Chakravarthy has rediscovered his form as well in the business end of the tournament.

"The way that KKR spinners are bowling and the way that they are batting, they can win the tournament. But in playoffs, what

matters is how you turn up on that particular day. You just need four overs to change the game in the IPL. They have momentum, all of their players are doing well," Chawla further added.

MI on the other hand are currently sitting 9th on the table and are at the risk of sinking further and finishing at the bottom position. Chawla spoke about MI's form and said that they never had any momentum going throughout the IPL 2024. "T20 cricket is about momentum but (sadly) we didn't get that momentum right from the beginning," Chawla said.

Sometimes we bowl well and then we end up not batting that well. Likewise, sometimes we bat well and the bowling is not. So it's not just that we are lacking in one department. As a unit, we have failed in a few games. And we have to accept that fact as a team. Because at the end of the day, it's a team game.

James Anderson: A purist that made us fall in love with Tests, again and again

New Delhi. It was scary! Although reality would dictate that it's almost time, the mere thought that England, one day, would be without their enigmatic duo, Stuart Broad and James Anderson, sent shivers down the spine. Last year, Broad pulled the curtains down on his career during the Ashes. It was only a matter of time before Anderson bid goodbye to the purest format and the day eventually surfaced. For the ones born in the 90s, Anderson has been a big part of their upbringing, especially when it's about falling in love with the aesthetics of a phenomenon named Test cricket. Amidst the growth of T20s and T10s, inclined towards glamour, fame and money, the purist from England kept portraying the beauty of Tests with his blood and sweat.

From a skinny young boy with gold-shaded hair foraging into international cricket to retiring as a legend two decades later, Anderson gave the folklore of Test cricket a poetic touch. In a generation of spicy kebabs and Biryani, he was soul-soothing lentils and rice, a source of joy and happiness. Watching Anderson swinging the cherry both ways was similar to running back home after a gut-wrenching day at work.

The sound of Anderson rattling the stumps was as comforting as listening to Brian Adams, mesmerising a packed audience like magic with his voice modulation. Anderson was equivalent to a craving that was tough to control, an attraction that would keep drawing a person towards it. Anderson was a sight to behold, a memory to cherish for a lifetime. There was not a dull moment when Anderson took the field. In an era where batters are ruling the roost, Anderson kept motivating bowlers to take up fast bowling with the dream of terrorising batters and scaling the heights.

For 21 long years, Anderson carried Test cricket on his own shoulders, and there was nothing that could detach him from his favourite sport. Jimmy has had his fair share of tussles with injury concerns in the last 36 months, but the talisman hasn't let them wear him down. Rather, he faced every challenge head-on and made sure he bowed out of the game on his own terms and with his head held high. Such was the aura and charisma of the man, who also has over 1100 wickets in first-class cricket. I'm going to miss walking out for England so much.

But I know the time is right to step aside and let others realise their dreams just like I got to, because there is no greater feeling," Anderson's statement read.

Nitish Rana opens up on 'sleepless' night ahead of comeback game against MI

New Delhi. KKR batter Nitish Rana revealed that he couldn't sleep all night due to anxiety ahead of his IPL 2024 comeback against MI on Saturday, May 11 at Eden Gardens, Kolkata. Notably, the 30-year-old featured in the first game for his team against SRH before a finger injury ruled him out of the next ten matches. However, Rana made a valuable contribution from his bat on his comeback playing a crucial innings of 33 (23) after his team was left reeling at 40/3 after 4.1 overs. Speaking about his time away from the game, the Delhi-born cricketer revealed that he couldn't even touch the bat for the first 20-odd days and was visualising himself batting. However, a night before his comeback, he couldn't sleep due to anxiety and as he felt like playing his first IPL game.

"For the first 20-22 days I didn't even touch the bat due to injury. After that, I began batting with one hand and did whatever I could. When I was sitting alone, I would visualise my innings. To be honest, I couldn't sleep the whole night, it felt as if I was going to play the first game of the IPL because I was suddenly included in the team

after ten great games. Hence, I slept at around 8:30 am as I couldn't sleep all night due to anxiety. These are the things which keep that hunger inside of you alive," said



Rana in the post-match press conference.

Rana stitched crucial partnerships with Venkatesh Iyer (42 off 21) and Andre Russell in the middle overs (33 off 23) to help KKR post 157/7 in the rain-curtailed 16-over game. The Shreyas Iyer-led side went on to win the match by 18 runs and became the first team to qualify for the playoffs. Further speaking ahead, Rana

revealed that it's the belief that the players have in each other which has been the major reason behind KKR's turnaround. He credited head coach Chandrakant Pandit and mentor Gautam Gambhir for building such a culture.

The difference is the belief we have this year: Rana

"The difference this year as compared to the previous four or five years is according to me the belief that we have in each other. There's a trust in the dressing room where every player takes the onus on oneself if someone fails. The same set of bowlers let the opposition chase down 260 and we had the same attack today. So, it's the belief to instil confidence in each other is a lot more than previous years and it's all because of Chandu Sir (Chandrakant Pandit) and Gauti Bhaiya (Gautam Gambhir)," he added. Meanwhile, following their win against MI, KKR are comfortably sitting on the top of the points table with nine wins from 12 matches having 18 points to their name.

Bowl slow, bowl wide: Rayudu analyses Suryakumar Yadav's weakness after KKR failure

New Delhi. Ambati Rayudu said that Suryakumar Yadav finds it tough while facing slower balls outside the off stump.

There is a plan in terms of bowling to Suryakumar Yadav. You bowl slow and you bowl wide. We have seen that in the World Cup as well. When the pitch is slow with a bigger boundary on one side, teams have a



plan against him. He needs to work on that a little bit," Rayudu told Star Sports. Suryakumar has been in decent form for MI, having scored 345 runs from 10 games at an average of 38.33 and a strike rate of 169.95. Despite missing the first 3 games, he is amongst the top run-getters for MI this season.

'Lack of batsmanship cost MI' Rayudu reckoned that MI were let down by their poor batting against KKR. After being asked to chase down a target of 158 in a truncated 16-over match, Mumbai got off to a stupendous start courtesy of a 65-run stand for the opening

wicket between Rohit Sharma and Ishan Kishan

Lack of Batsmanship cost MI: Rayudu

But once Sunil Narine dismissed a well-set Kishan, the MI innings went downhill. In the end, all Mumbai could manage was 139 for 8. Rayudu also slammed their batters for poor shot selection, especially against spinners. "Lack of ability to play the spinners cost them the game. There was a little bit of moisture in the game. The ball was holding up, but I think their shot selections were poor. Rohit Sharma is known for big sixes, playing straight, but today, he was trying to sweep and reverse sweep. It was the lack of batsmanship that cost them," Rayudu added.

MI will be playing for pride in their last game this season when they face KL Rahul's LSG on Friday, May 17 at the Wankhede Stadium in Mumbai.

Shehnaaz Gill

Is 'Redefining Beauty', Leaves Fans Jaw-Dropped With Her Blue Gown Look

Shehnaaz Gill is not just known for her amazing acting or down-to-earth nature but also for her fashion choices. The actress never fails to impress all with her sartorial choices and often leaves everyone jaw-dropped. Recently too, Shehnaaz took to her Instagram handle and shared a series of pictures which are now setting fire online. In these latest clicks, Shehnaaz Gill was seen posing in an icy blue gown by the designer Hind Zeidan. Her gown featured blue sleeves and a thigh-high slit. Shehnaaz opted for minimal accessories to let her outfit take centre stage. She tied her hair into a bun and added glam to her look with her makeup – smoky eyeshadow, highlighter, blushed cheeks and nude lipstick. In the caption of her pictures, Shehnaaz wrote, "Redefining beauty, one fierce pose at a time." Check it out here:

Needless to say, the pictures have left Shehnaaz Gill's fans stunned. Soon after the post was shared, fans rushed to the comments section to shower love on their favourite actress. "Wow She is always my favourite," one of the fans wrote. "You are perfect,"



added another. "Stunning as always," a third comment read. Several others also called her "sexy". Shehnaaz Gill has been soaring on the wings of success. Following her appearance on Bigg Boss 13, she ventured into Bollywood with roles in Salman Khan's film Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan and the comedy-drama Thank You For Coming. But her professional journey doesn't stop there. Recently, she explored her singing talent by lending her voice to the track Dil Kya Irada Tera from the Disney+ Hotstar movie Patma Shuklla. Besides this, Shehnaaz Gill was recently also seen in the music video titled Dhup Lagdi.

Shehnaaz Gill is now gearing up for her next project titled Sab First Class along with Varun Sharma. Helmed by Balwinder Singh Janjua, the film will be an out-and-out family entertainer. Shehnaaz officially announced the film on her Instagram handle in January this year.



Kareena Kapoor Khan Reviews 'Bhabhi' Alia Bhatt's Met Gala 2024 Look



Alia Bhatt's mesmerising appearance at the Met Gala 2024 has the Internet completely in a chokehold. The actress made India proud again as she represented its culture at the event in a timeless Sabyasachi couture saree with a matching train. It seems like Alia can't get enough of her look from the fashion extravaganza, and we are not even complaining. Her recent string of pictures and videos on her Instagram handle has fans drooling over her. Besides, Alia's sister-in-law Kareena Kapoor Khan also reviewed her look. Adhering to the dress code 'The Garden of Time', Alia was dressed in a hand-embroidered saree with floral motifs and sparkling detailing for the biggest night of fashion. Her traditional saree came with a dramatic long embroidered train. Offering a closer look at her ensemble and her appearance at the event, Alia seemingly promised a comeback to the green and white carpet as she wrote, "till we meet again #MetGala2024". Upon the pictures being shared, the proud sister-in-law Kareena immediately reacted to the post. She wrote, "Alia The Bestest." Well, the list of her admirers in her family is a long one. The Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani actress' mother also showered her with compliments calling her "Ethereal and beautiful." Another family member, Saba Ali Khan, sister of Saif Ali Khan, was also quick enough to pour some love for the actress in the form of heart emojis.

Alia Bhatt continues to shine wherever she goes. Reports suggest that the Bollywood diva has become the 'most visible' celebrity at the Met Gala. With this achievement, she has surpassed several prominent globally popular names including Kendall Jenner, Kylie Jenner, Kim Kardashian, Gigi Hadid, and others.

When TV Actress Deepika Singh Had To Leave Her Friend's House At Night



Deepika Singh is one of the most prominent television actors in the Hindi television industry. She became a household name following the success of her popular TV serial, Diya Aur Baati Hum. She received several accolades because of her terrific acting in that serial. Deepika, however, had to face many setbacks in the initial stages of her career. In an earlier interview with Pinkvilla, the 34-year-old actress narrated a horrific incident regarding her struggling days in Mumbai. She recalled one of her friends asking her to leave the house at midnight. Deepika has yet to forget that bitter experience. She reminisced many similar traumatising experiences like her father's massive financial losses, lack of funds in childhood, etc. Deepika, however, remained undeterred and is now one of the popular names in the television world. After remaining on a sabbatical from TV for a long time, she has made her comeback with the show Mangal Lakshmi. This show has started premiering on the channel Colors TV from February 27, 2024.

Speaking about being away from TV for a long time, Deepika told the Times of India, "I wanted to be associated with acting and it's not like I was completely away. I did Kawach, Titu Ambani, my film but at that point, I wasn't ready for a long-term commitment. I had mentioned it and maintained that. I did small roles like the film was just a one-month schedule." The Diya Aur Baati Hum actress, however, was not ready for long-time commitments. This is because she had taken up training for classical dance and wanted to concentrate on her exams. Now that she has received her certificate in dancing, she practices on her own for an hour every day and then goes for shoots.

Meanwhile, Deepika married Rohit Raj Goyal, the director of the serial Diya Aur Baati Hum, in a private wedding ceremony in 2014. On May 20, 2017, the couple embraced parenthood by welcoming a baby boy named Soham. In an earlier interview, Deepika credits Rohit for all her learnings about the industry. She said that the Diya Aur Baati Hum director has moulded her into an actress and she can trust him blindly.



Priyanka Chopra

Drops A Happy Sunkissed Moment With Her 'Angels' Malti Marie And Nick Jonas

Priyanka Chopra and Nick Jonas welcomed their daughter, Malti, in 2022. Since then, the duo have been seen as doting parents to the little munchkin and often share adorable glimpses of her. Having said that, the proud parents recently dropped another happy family photo, which instantly went viral. Priyanka shared the photo and wrote, "My angels... @maltimarie @nickjonas." In the photo, Priyanka was seen holding Malti with all her love and affection, while Nick stood next to her. The trio donned their brightest smiles, basking in the laps of nature. They surely dished out major family goals.

Apart from being doting parents to Malti, Nick and Priyanka are also each other's biggest cheerleaders. Time and again, the duo acknowledges each other's professional endeavours on social media. Earlier this week, Priyanka Chopra gave a huge shout-out to Nick as he started filming for his next project, Power Ballad. She has written an appreciation post. Taking to her Instagram handle, the actress shared a photo of Nick and wrote, "Husband appreciation post: As I finish one, he starts one. The universe keeps us in sync. So happy to be reunited as he starts filming Power Ballad. Congratulations on your first day, baby. There is no one who works harder than you. This is going to be amazing. #johncarney #paulrudd @nickjonas @anthonymandler for Spaceman."

Priyanka Chopra recently announced that she has wrapped shooting for the highly anticipated film Heads Of State. The actress shared a happy video montage featuring her daughter Malti along with her crew and penned a heartwarming note expressing her love for the film. The action-comedy Heads of State also stars Idris Elba and John Cena.

The note read, "And it's a wrap. It's been a year. Well, a lot happened but here we are. Tonight I wrapped on a set that was always so full of laughter and professionalism. That rare combination doesn't happen always.. This movie was a breeze because the cast and crew came prepared with their A game, everyday." She further added, "It's been an honour to work with some legends in our business on this one. Hope y'all have as much fun watching it as we did making it. Heads of state will be on @primevideo . when you ask me? Above my pay grade. lol. Gratitude." Besides this, Priyanka Chopra also has a Bollywood film in her pipeline. She will soon be seen in Farhan Akhtar's Jee Lee Zara, with Alia Bhatt and Katrina Kaif in the lead. While fans are eagerly waiting for this collaboration, the film has been delayed due to reasons that aren't known.

